जबलपुर बुधवार 15 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रथमा
वर्ष 32 अंक 20 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण
▶▶ 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 34.6°C
न्यूनतम तापमान 27.0°C
सूर्योदय - 5.34 | सूर्यास्त - 6.59

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

धान बीज के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से लगाया... ▶▶ 4

सैयामी खेर पर फिल्माए जाने वाले खास गाने को... ▶▶ 7

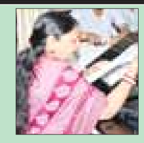

नगर निगम में आयोजित हुई महापौर जनसुनवाई... ▶▶ 9

मुख्यमंत्री ने 'दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म' लॉन्च किया

पंचायत दर्पण पोर्टल पर पेमेंट गेटवे का भी हुआ शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत स्तर पर ऑडिट प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विकसित 'दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म' लॉन्च किया। इसके साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल पर पेमेंट गेटवे की सुविधा का भी शुभारंभ किया गया। मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक के दौरान हुई इस लॉन्चिंग से पंचायत स्तर पर ऑडिट प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल होगी। यह व्यवस्था देश में पंचायतों के पूर्णत: डिजिटल रिमोट वित्तीय ऑडिट की दिशा में अपनी तरह की अभिनव पहल है। केंद्रीय वित्त आयोग से प्राप्त होने वाले अनुदान की राशि के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों के समयबद्ध ऑडिट की अनिवार्यता है। भारत के महालेखाकार के निर्देशन में पंचायती राज संचालनालय द्वारा एनआईसी के तकनीकी सहयोग से ऑनलाइन ऑडिट के लिए 'दृष्टि' नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। इस प्लेटफॉर्म पर जाकर ऑडिटर अपने घर या ऑफिस से किसी भी पंचायत के सभी प्रकार के आय व्यय सम्बन्धी अभिलेख देख

सकते हैं तथा उनकी जांच कर सकते हैं। यह ऑडिट प्रक्रिया प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों के वित्तीय ऑडिट को तेज, सरल एवं पारदर्शी बनाएगी। इसके उपयोग से सीमित कर्मचारियों द्वारा भी समस्त पंचायतों का ऑडिट समय पर किया जा सकेगा। इस प्रणाली के क्रियान्वयन से समय और संसाधनों की बचत के साथ वित्तीय जवाबदेही और सुशासन को मजबूती मिलेगी।

सुशासन को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पंचायत दर्पण पोर्टल पर आरंभ पेमेंट गेटवे पंचायत राज संचालनालय द्वारा एनआईसी, जल निगम एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से विकसित किया गया है। इसके माध्यम से पंचायतें नागरिकों के बिल जेनरेट कर सकेगी। गेटवे पर कोई भी नागरिक बिल का पेमेंट घर बेठे कर सकता है और ऑनलाइन ही रसीद भी प्राप्त कर सकता है। इससे लोगों के श्रम और समय दोनों की बचत होगी तथा पंचायत का अभिलेख भी स्वत: ही निर्मित होता चला जायेगा। सेवाओं में पारदर्शिता और कार्यों का समयबद्ध निस्तारण होगा। इन नवाचारों से विभागीय प्रक्रियाओं में जवाबदेही अधिक होने के साथ ही सुशासन को बढ़ावा भी मिलेगा।

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

सुप्रीम कोर्ट का सीबीएसई की 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है। साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई

पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी। ऐसे में उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सीबीएसई ने तैयारी के बिना तीन-भाषा नीति लागू कर दी है। स्कूलों में पर्याप्त टीचर, किताबें और जरूरी एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है, जिससे स्टूडेंट-टीचर को परेशानी हो रही है।

फारस की खाड़ी में फंसे 7 भारतीय जहाज, खतरे में 148 नाविक

2 जहाजों पर हमला, भारतीय की मौत

नई दिल्ली।

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़े सैन्य तनाव के बीच फारस की खाड़ी में भारतीय जहाजों की मौजूदगी चिंता का विषय बन गई है। एक सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस समय फारस की खाड़ी में सात भारतीय झंडे वाले जहाज मौजूद हैं, जिन पर कुल 148 भारतीय नाविक सवार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया सैन्य तनाव शुरू होने से पहले ही ये जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में मौजूद थे। मौजूदा हालात को देखते हुए इनके फिलहाल फारस की खाड़ी से बाहर निकलने की संभावना नहीं है।

भारतीय जहाज क्षेत्र में तनाव कम होने का इंतजार कर रहे हैं। उनके मुताबिक, सात भारतीय झंडे वाले जहाजों में से पांच इस समय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, फारस की खाड़ी में सात भारतीय झंडे वाले जहाजों पर करीब 148 नाविक सवार हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए वे अभी इस इलाके से बाहर निकलने की योजना नहीं बना रहे हैं। इस बीच 14 जुलाई की सुबह दो मर्चेंट जहाज एमटी अल बह्याह और एमटी मोम्बासा बी पर हमला हुआ। यह हमला साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर ईरान के हमले के दो दिन बाद हुआ, जिसमें एक भारतीय क्रू मेंबर लापता हो गया था। एमटी अल बह्याह पर कुल 23 क्रू मेंबर सवार थे। इनमें 12 भारतीय, 6 फिलिपीनो, 3 रूसी, 1 मिस्र और 1 श्रीलंकाई नागरिक शामिल थे। वहीं एमटी मोम्बासा बी पर भी 23 क्रू मेंबर थे। इनमें 17 भारतीय, 3 यूक्रेन और 3 जॉर्जिया के नागरिक सवार थे। सरकारी अधिकारी ने पुष्टि की है कि एमटी अल बह्याह पर सवार एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई है।

ओमान के पास हुआ मिसाइल हमला

मंगलवार को ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट में यूएई के दो शिपिंग टैंकरों मोम्बासा और अल बहियाह को ईरानी क्रूज मिसाइलों ने निशाना बनाया। हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दोनों टैंकर ओमानी जलक्षेत्र के भीतर होर्मुज की साउथ शिपिंग लेन से गुजर रहे थे। उस समय उन दोनों टैंकरों पर दो ईरानी क्रूज मिसाइलें दागी गईं। मोम्बासा टैंकर पर सवार एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घायल लोगों में छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

भारतीय दूतावास ने जताया दुख

यूएई में भारतीय दूतावास ने भारतीय नाविक की मौत पर गहरा दुख जताया है। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। दूतावास ने कहा, भारतीय नाविक के दुखद निधन पर हमें गहरा दुख है। हम स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। यूएई रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों टैंकरों में आग लग गई थी। हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। हमले में जहाजों को सामान का भी नुकसान पहुंचा है। यूएई ने इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है।

होर्मुज में जान गंवा चुके 9 भारतीय नाविक

गौरतलब है कि 28 फरवरी से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध के बाद से हॉर्मुज और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र में अब तक कम से कम 9 भारतीय चालक दल के सदस्यों की जान जा चुकी है। 1 मार्च को मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाले एक तेल टैंकर पर हमला हुआ था। उसी दिन ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले तेल टैंकर स्काईलाइट पर हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। इसके बाद 8 मई को एक और भारतीय नाविक की जान चली गई। वहीं ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी स्टेबेलो पर अमेरिकी हमले में तीन और भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी।

उच्च शिक्षण संस्थानों को गांवों से जोड़ेगा उन्नत भारत अभियान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

उच्च शिक्षा को समाज और ग्रामीण विकास से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की सहभागिता 'उन्नत भारत अभियान' में सुनिश्चित की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों, शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों को उन्नत भारत अभियान के पोर्टल पर पंजीयन कर सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित 'उन्नत भारत अभियान' का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को ग्रामीण समुदायों से जोड़कर समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थी अपने विषय और विशेषज्ञता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को समझते हुए समाधान विकसित करेंगे। अभियान के अंतर्गत पंजीकृत उच्च शिक्षण संस्थान अपने आसपास के पांच गांवों का चयन करेंगे। इन गांवों में विद्यार्थी

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय करेंगे पंजीयन

और शिक्षक मिलकर स्थानीय समस्याओं का अध्ययन करेंगे तथा ग्रामीण विकास की गतिविधियों में सहयोग देंगे। इससे विद्यार्थियों को ग्रामीण भारत की पारंपरिक समझ, सामाजिक व्यवस्था और स्थानीय आवश्यकताओं को जानने का अवसर मिलेगा। उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने का अनुरोध किया गया है।

वर्तमान में देशभर के 5 हजार से अधिक प्रतिष्ठित संस्थान इस अभियान के माध्यम से लगभग 24 हजार से अधिक गांवों में कार्य कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत चयनित गांवों के अध्ययन के लिए संस्थानों को आर्थिक सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर पंजीयन पूर्ण कर अभियान की गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें

नई दिल्ली/धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए। अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट मप्र हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की।

हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस विवाद पर आगे की सुनवाई बाद में होगी।

राममंदिर चढ़ावे से 3 करोड़ चोरी हुए: गिरि

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है।

राहुल गांधी ने पंजाब प्रभारी को दिल्ली तलब किया

भूपेश बघेल के दावे का तोड़ निकालने में जुटे चन्नी

चंडीगढ़/नई दिल्ली।

पंजाब में अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग कांग्रेस के प्रधान पद से इस्तीफा दे सकते हैं। दिल्ली में राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच हुई मीटिंग के बीच से ये खबर सामने आ रही है। इसी के साथ सूचना यह भी है कि पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को भी राहुल गांधी ने तलब किया है।

बघेल छत्तीसगढ़ से दिल्ली निकल चुके हैं, और इनकी बुधवार को राहुल गांधी के साथ मीटिंग हो सकती है। दरअसल, पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल की रिपोर्ट में ये साफ नजर आया है कि पूर्व ष्टरूव सांसद चरणजीत चन्नी और सांसद सुखजिंदर रंधावा किसी भी कीमत

में राजा वड़िंग की अगुआई में चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। रंधावा तो उन्हें इशारों में कंप्रोमाइज्ड लीडर तक बता चुके हैं। कांग्रेस हाईकमान के पास ये भी रिपोर्ट पहुंची कि एक तरफ 23 जिलों के प्रधान राजा वड़िंग के हक में हैं तो दूसरी तरफ 117 में से 90 से ज्यादा चुनाव हारे या जीते नेता चन्नी के पक्ष में हैं। प्रभारी बघेल पहले ही कह चुके हैं कि हाईकमान का फैसला नहीं बदलेगा, राजा वड़िंग प्रधान बने रहेंगे, लेकिन कांग्रेस ये भी जानती है कि चन्नी ग्रुप को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। माना जा रहा है कि हाईकमान के इशारे पर या राजा वड़िंग पार्टी के लिए खुद भी ये पद छोड़ सकते हैं।

हालांकि, इतना तय है कि कांग्रेस हाईकमान चरणजीत चन्नी या सुखजिंदर रंधावा में से किसी को भी प्रधान पद की कुर्सी नहीं सौंपेगा। वहीं राजा वड़िंग के करीबियों का कहना है कि अभी प्रधान की तरफ से ऐसा कुछ नहीं सोचा जा रहा है। कांग्रेस की तरफ से इसकी औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच चरणजीत चन्नी ने बुधवार को जालंधर में यूथ कांग्रेस की मीटिंग बुला ली है। सूत्र बताते हैं कि इसमें सभी जिलों के यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों को बुलाया गया है। यह फैसला तब लिया गया है, जब प्रभारी भूपेश बघेल ने दावा किया था कि प्रधान राजा वड़िंग को 23 जिला प्रधानों का समर्थन है। चन्नी इसी का तोड़ निकालने में जुटे हैं।

ट्विशा केस: गिरिबाला-समर्थ का फिर वॉयस सैंपल देने से इनकार

भोपाल (स्वतंत्र मत)। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को भोपाल जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि पिछली पेशी में आरोपी गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी, लेकिन जब टीम इसके लिए 6 जुलाई को जेल पहुंची तो दोनों आरोपियों ने सहयोग नहीं किया। सीबीआई ने कहा कि वॉयस सैंपल के बिना जांच प्रभावित हो रही है। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील विनोद जॉर्ज करलो ने कहा कि उनके मुवक्किलों ने कभी भी वॉयस सैंपल देने से इनकार नहीं किया। सीबीआई टीम के जेल पहुंचने पर गिरिबाला की तबीयत खराब थी, फिर भी उन्होंने दो बार सैंपल दिया। तीसरी बार स्वास्थ्य कारणों से अगले दिन सैंपल लेने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा- समर्थ सिंह भी जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। सीबीआई जब चाहे, उनका वॉयस सैंपल ले सकती है। उनकी आपत्ति केवल प्रक्रिया को लेकर है। सैंपल के लिए दी जाने वाली ट्रांसक्रिप्ट पहले रिकॉर्ड की गई ट्रांसक्रिप्ट से अलग होनी चाहिए, ताकि सैंपलिंग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। इस पर सीबीआई ने वॉयस सैंपल लेने संबंधी अर्जी कोर्ट में पेश की, जिसे कोर्ट ने मंजूर करते हुए गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ा दी।

राशन दुकानों से मिलेंगे सैनिटरी पैड?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली।

देशभर की राशन दुकानों के जरिए महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने सभी पक्षों से इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने सैनिटरी पैड को सस्ता तो बना दिया है, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि इसे देश की हर महिला, खासकर गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं तक आसानी से पहुंचाया जाए। यह जनहित याचिका सरोज बाला, ज्योति अग्रवाल, संजीवनी अग्रवाल, स्वराज स्वरूप और प्रदीप शेखावत ने दाखिल की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों पर सैनिटरी पैड केवल एक रुपये प्रति पैड की दर से उपलब्ध हैं। हालांकि, पूरे देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या करीब 19,294 है, जबकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 4.8 लाख से अधिक उचित मूल्य की राशन दुकानें संचालित हो रही हैं। ऐसे में राशन दुकानों के विशाल नेटवर्क का इस्तेमाल महिलाओं तक सैनिटरी पैड पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। याचिका में सुझाव दिया गया है कि राशन दुकानों के माध्यम से महिलाओं को सैनिटरी पैड या तो नि:शुल्क दिए जाएं या फिर प्रत्येक परिवार के लिए एक निश्चित मासिक कोटा तय किया जाए। इससे न केवल महिलाओं

को सस्ती दर पर जरूरी स्वच्छता उत्पाद उपलब्ध होंगे, बल्कि मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

गरीब और ग्रामीण महिलाओं को परेशानी

याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि आज भी देश के कई गरीब और ग्रामीण परिवारों की महिलाओं तथा किशोरियों के लिए हर महीने सैनिटरी पैड खरीदना आर्थिक रूप से कठिन होता है। मजबूरी में वे असुरक्षित और अस्वच्छ विकल्पों का इस्तेमाल करती हैं, जिससे संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

उनका कहना है कि मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता की कमी और सस्ते स्वच्छता उत्पादों की सीमित उपलब्धता महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा दोनों को प्रभावित करती है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर फोकस

याचिका में यह भी कहा गया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली देश के सबसे बड़े और सबसे व्यापक सरकारी नेटवर्क में से एक है। लगभग हर गांव और कस्बे तक राशन की दुकानें पहुंची हुई हैं। यदि इसी नेटवर्क के माध्यम से सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं तो करोड़ों महिलाओं तक इनकी आसान पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है। इससे सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ महीने पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को महिलाओं और किशोरियों के सम्मानजनक जीवन तथा शिक्षा के अधिकार का हिस्सा माना था।

आर्थिक तंगी से मजबूर सजायाफ्ता बंदियों को कानूनी सहायता प्रदान करने सेंट्रल जेल पहुंचा डालसा

कुल 21 दोषियों से की बातचीत, कानूनी सहायता के लिए 5 का हुआ चयन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज एक्ट, 1987 के निर्देशों और स्टेट लीगल सर्विसेज् अथॉरिटी के आदेशों के तहत कैदियों को न्याय दिलाने के लिए, डालसा जबलपुर ने प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला, विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्णमूर्ति मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में, नेताजी सुभाष चंद्र बोस सेंट्रल जेल में बंद दोषियों को हाई कोर्ट में सज़ा के खिलाफ अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की। दोषी कैदी जेल कानूनी सहायता प्रणाली और संबंधित कानूनी सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता पाने के हकदार होते हैं।

जेल के दौरे के दौरानए डिस्ट्रिक्ट लीगल एड ऑफिसर बीडी दीक्षित ने कानूनी सहायता टीम के साथ दोषियों से बातचीत की, उन्हें उनके कानूनी अधिकारों

के बारे में बताया और फैसले को चुनौती देने की उनकी इच्छा दर्ज की।

विधिक सेवा समिति भेजे जाएंगे जरूरी दस्तावेज

बातचीत के बाद, फैसले की सर्टिफाइड कॉपी और अन्य संबंधित रिकॉर्ड सहित ज़रूरी दस्तावेज़ उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति भेजे जाएंगे, ताकि लागू कानूनी प्रक्रिया के अनुसार पैनल एडवोकेट के माध्यम से आपराधिक अपील तैयार और दायर की जा सके। यह पहल मप्र हाई कोर्ट के निर्देश पर क्रिमिनल अपील 3281/2025 सिजो चंदन बनाम स्टेट ऑफ़ एमपी मामले के तहत की गई थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी कैदी आर्थिक तंगी या किसी अन्य कारण से कानूनी प्रतिनिधित्व के संवैधानिक अधिकार से वंचित न रहे। कानूनी जागरूकता फैलाने और पात्र कैदियों को मुफ्त कानूनी सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करने के लिए जेल में नियमित रूप से कानूनी सहायता क्लीनिक और कैदियों के साथ बातचीत का आयोजन किया जाता है।

कैंप में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दीक्षित ने कुल 21 दोषियों से बातचीत की उनमें से पांच दोषियों ने कानूनी सहायता के माध्यम से अपील दायर करने का विकल्प चुना। कैंप में जेल अधिकारियों के अलावा, प्रहरी विवेकानंद शर्मा और जेल पी एल वी मंजू अंगराज, विनय, राजेंद्र, किशन ठाकरे, कपिल, जितेंद्र, सुरजीत और मनीराम ने दोषियों के लिए फॉर्म भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरेश वाटिका में आरंभ हुआ पौधारोपण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

मप्र जन अभियान परिषद के द्वारा चलाए जा रहे अभियान स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत जबलपुर की नवांकुर संस्था काशी ग्राम विकास समिति महगवां के द्वारा समिति की नवांकुर नर्सरी सुरेश वाटिका में पौधारोपण किया गया ।4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित स्वैच्छिकता पर्व के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता एवं जनभागीदारी के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का यह अभियान परिषद द्वारा प्रेरणादाई है। समिति के द्वारा सितंबर तक जन समूह को निशुल्क ढाई हजार पौधे वितरित कर वृक्षारोपण का लक्ष्य है । समिति के अध्यक्ष सनिल यादव ने क्षेत्रीय जनों से इस पर्यावरण बचाने की मुहिम में लोगों से जुड़ने की अपील की । इस दौरान अनिल कोल, विष्णु कोल, सोनू, चंदन, गुलाब यादव ,जागेश्वर, दिनेश कोल, जयकुमार, संतोष कोल आदि उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन तक पहुंचा कोटवार नियुक्ति विवाद

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा के निर्णय के विरुद्ध कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत फुलर में कोटवार नियुक्ति को लेकर विवाद अब जिला प्रशासन तक पहुंच गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहपुरा द्वारा लिए गए निर्णय के विरुद्ध शिकायतकर्ता ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। जनसुनवाई में आवेदन क्रमांक 189 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया तथा जांच एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभाग को भेजा गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत फुलर में कोटवार एवं पटेल नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान ग्राम सभा की अनुशंसाओं और शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहपुरा द्वारा लिया गया निर्णय ग्राम सभा की भावना तथा पंचायत व्यवस्था के अनुरूप नहीं है, जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है।आवेदन में मांग की गई है कि संपूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित अभिलेखों की समीक्षा की जाए तथा यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो दोषी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त कर शासन के प्रावधानों के अनुरूप पुनः संपन्न कराने की भी मांग की गई है।

कई बार उठी आपत्तियां

जनसुनवाई की पावती के अनुसार आवेदन को संबंधित अधिकारी के पास भेजते हुए 30 दिनों के भीतर निराकरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है। अब इस मामले में तहसीलदार एवं संबंधित राजस्व अधिकारियों द्वारा जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत फुलर में कोटवार नियुक्ति को लेकर पहले भी ग्रामीणों द्वारा लगातार आपत्तियां उठाई जाती रही हैं। अब मामला कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई तक पहुंचने के बाद प्रशासन की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। शिकायतकर्ता ने विश्वास जताया है कि जिला प्रशासन निष्पक्ष जांच कर न्यायोचित निर्णय लेगा और यदि अनियमितताएं सिद्ध होती हैं तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आदर्श मंडी के दावे, किसानों की समस्याएं बरकरार

खरीदी और भुगतान व्यवस्था पर उठे सवाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले की कृषि उपज मंडियों को आदर्श मंडी के रूप में विकसित करने की दिशा में जिला प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। विगत दिवस कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंडी अधिकारियों की बैठक लेकर किसानों और व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडियों में स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, विश्राम गृह, सीसीटीवी, ई-मंडी व्यवस्था, कोल्ड स्टोरेज, किसान बाजार और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। साथ ही सभी मंडी अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कृषि उपज की आवक, नीलामी, तौल और भुगतान की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं ऑनलाइन बनाया जाए तथा किसानों और व्यापारियों के सुझाव लेकर मंडियों को आदर्श स्वरूप प्रदान किया जाए। उन्होंने मंडी के बाहर होने वाले व्यापार की भी निगरानी रखने और नियमानुसार मंडी शुल्क की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खाद, बीज की उपलब्धता पर बनी परेशानी-हालांकि प्रशासन के इन प्रयासों के बीच किसानों का कहना है कि जमीनी स्तर पर अभी भी कई समस्याएं बनी हुई हैं। किसानों के अनुसार मंडियों में उपज का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है। खाद एवं बीज की उपलब्धता को लेकर भी परेशानी बनी हुई है। किसानों का आरोप है कि धान और गेहूं खरीदी के दौरान भी उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जबकि मूंग और उड़द की खरीदी समय पर नहीं होने से उन्हें अपनी उपज कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। किसानों का कहना है कि खरीदी और भुगतान में देरी के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ बार-बार मंडी और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उनका मानना है कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसानों में असंतोष बढ़ सकता है। कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि आगामी मंडी चुनावों में किसानों की ये समस्याएं प्रमुख मुद्दा बन सकती हैं। ऐसे में किसानों को बेहतर सुविधाएं, पारदर्शी खरीदी व्यवस्था और समय पर भुगतान उपलब्ध कराना प्रशासन और मंडी प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती भी है और जिम्मेदारी भी।

नगर निगम की जनसुनवाई में ऑन-द-स्पॉट समाधान

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई मंगलवार को नागरिकों के लिए बड़ी राहत लेकर आई। जनसुनवाई में पहुंचे निगमायुक्त ने संवेदनशीलता दिखाते हुए आम जनता की समस्याओं को न सिर्फ ध्यानपूर्वक सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर तलब कर समस्याओं का तुरंत निराकरण कराया। अधिकारियों की इस त्वरित कार्रवाई से निगम कार्यालय पहुंचे नागरिकों के चेहरों पर खुशी और संतुष्टि साफ नजर आई। मुख्यालय में आयोजित इस सुनवाई के दौरान विभिन्न नागरिक सुविधाओं से संबंधित कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुईं।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी में इंटर्नशिप सत्र शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के जनसंपर्क कार्यालय में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के बीए मास कम्युनिकेशन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का सात दिवसीय कार्य अनुभव प्रशिक्षण सत्र शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन व प्रशासन) एफ.के. मेश्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है। डिजिटल युग में तीव्र सूचना प्रवाह के बीच सही तथ्यों का

संकलन, निष्पक्ष विश्लेषण और जिम्मेदार प्रस्तुति सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ अवसर पर अधिकारियों ने छात्रों को पत्रकारिता और जनसंपर्क के मूल सिद्धांतों से अवगत कराया। जनसंपर्क अधिकारी पंकज स्वामी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि सात दिवसीय इस गहन सत्र के दौरान विद्यार्थियों को समाचार पत्र कतरन तैयार करने, समाचार व फीचर लेखन, विज्ञापन निर्माण, सोशल मीडिया संदेश प्रबंधन, ऑडियो-विजुअल माध्यमों के उपयोग, फोटोग्राफी और शासकीय प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की बारीकियों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र में आर्या शर्मा, प्राची शर्मा, नेहा दत्ता, मोनालिसा सोनकर, यशस्वी पांडे, संध्या विश्वकर्मा सहित कुल 12 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का सफल संयोजन व समन्वय संचार अध्ययन एवं शोध विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेंद्र पाठक एवं अतिथि व्याख्याता डॉ. संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

19 को मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा मेधावी छात्र छात्रा एंव वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 19 जुलाई को संपन्न होगा। यह निर्णय पंडित विशुद्धानंद पांडे ब्राह्मण समाज भवन में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। सत्र 2024 में सिहोरा खितौला के विद्यालय में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ब्राह्मण छात्र छात्राओं के साथ 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ नागरिकों का भी सम्मान किया जायेगा । इस अवसर पर ब्राह्मण समाज सिहोरा के संरक्षक अश्वनी कुमार पाठक ,राकेश पाठक, प्रवीण कुररिया आदि उपस्थित थे।

मानसून की सुस्त चाल, जनजीवन हुआ बेहाल

किसानों को टेंशन, अस्पतालों में बढ़े मरीज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संभाग में झमाझम बारिश के बाद अचानक मानसून की बेरुखी से संस्कारधानी जबलपुर के मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले कुछ दिनों से शहर में बादलों की आवाजाही तो बनी हुई है, लेकिन बारिश न होने से तेज गर्मी और उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हवा में नमी और तीखी धूप के कॉम्बिनेशन के कारण दिनभर पसीने छुड़ाने वाली गर्मी महसूस की जा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शुरूआती बारिश के बाद शहर का कुल आंकड़ा 181.4 मिमी पर पहुंचकर पिछले चार दिनों से थमा हुआ है। मानसून की सुस्ती के चलते अधिकतम तापमान 34.6 और न्यूनतम तापमान 27.0 पहुँच गया है । अचानक बदले इस शुष्क मौसम के कारण सड़कों पर दोपहर के वक्त लोगों की आवाजाही कम देखने को मिल रही है और लोग उमस से राहत पाने के लिए कूलरों व एसी का सहारा लेने को मजबूर हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में किसी भी मजबूत मौसम प्रणाली (वेदर सिस्टम) के सक्रिय न होने के कारण बारिश पर ब्रेक लगा है। आगामी कुछ दिनों तक जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बने रहने की संभावना है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर नमी और तापमान के असर से कहीं-कहीं आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन भारी बारिश के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। मानसून की इस लंबी खिंचती सुस्ती से नागरिक परेशान हैं, बल्कि किसान भी चिंतित नजर आ रहे हैं। फसलों की बेहतर वृद्धि के लिए इस समय अच्छी बारिश की सख्त आवश्यकता है। फिलहाल, शहरवासियों को तेज गर्मी से राहत पाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।

ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय रेल की प्रतिष्ठित 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल द्वारा ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर भव्य विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय रेल की विकास यात्रा, स्टेशन पुनर्विकास, स्वच्छता अभियान और विरासत संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मक और बौद्धिक प्रतिभा को निखारना था। स्कूलों से आए छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ चित्रकला, निबंध और वाद-विवाद (भाषण) प्रतियोगिताओं में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। विद्यार्थियों ने कैनवास पर रंगों और निबंध व भाषण के माध्यम से स्वच्छ व सुरक्षित रेल परिसर, रेलवे के आधुनिकीकरण तथा राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने क्रांतिकारी विचारों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

लंबित मांगों पर सैकड़ों पेंशनर्स ने घेरा सांसद कार्यालय

देशभर के लगभग 78 लाख पेंशनर्स न्यूनतम पेंशन में सम्मानजनक वृद्धि की मांग कर रहे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े देशभर के लगभग 78 लाख पेंशनर्स वर्षों से न्यूनतम पेंशन में सम्मानजनक वृद्धि एवं अन्य बुनियादी मांगों को लेकर केंद्र सरकार से लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को राष्ट्रीय संघर्ष समिति के तत्वावधान में सैकड़ों वरिष्ठ नागरिक एवं ईपीएफ पेंशनर्स ने सांसद आशीष दुबे के कार्यालय का घेराव कर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया तथा अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा। पेंशनर्स ने सांसद को सौंपे गए ज्ञापन में आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार के समक्ष उनकी वर्षों से लंबित मांगों को प्रभावी ढंग से रखें तथा शीघ्र समाधान के लिए सकारात्मक अनुशंसा करें। प्रदर्शन के दौरान पेंशनर्स ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई, स्वास्थ्य संबंधी बढ़ते खर्च और जीवन-यापन की लगातार बढ़ती लागत के बीच उन्हें मिलने वाली पेंशन अत्यंत अपर्याप्त है, जिससे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करना कठिन होता जा रहा है। राष्ट्रीय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि देशभर में ईपीएफ पेंशनर्स लंबे समय से संगठित होकर अपनी न्यायोचित मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, किंतु अब तक केंद्र सरकार द्वारा उनकी समस्याओं का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि ईपीएफ पेंशनर्स की न्यूनतम पेंशन में यथोचित वृद्धि, महंगाई के अनुरूप पेंशन व्यवस्था तथा अन्य लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर करोड़ों परिवारों को राहत प्रदान की जाए। इस मौके पर राष्ट्रीय संघर्ष समिति के मध्य भारत समन्वयक बलवंत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में सड़क परिवहन से देव नारायण तिवारी, धनराज सोनकर, ईश्वरदास सेन, बर्न कंपनी से राम खेलावन, भूमि विकास निगम से एके बाजपाई आदि उपस्थित रहे।

शादी से पहले दूल्हे से बीच-बाजार मारपीट, उसी रात दर्जनों बदमाशों ने परिवार पर भी किया हमला

गोराबाजार थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस पर कार्यवाही ना करने का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शादी से ठीक पहले दूल्हे के परिवार पर हमला और घर में घुसकर तोड़फोड़-मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि पहले दूल्हे पर हमला किया गया, फिर उसी रात 30 से 40 बदमाश घर में घुस आए और महिलाओं से मारपीट व अभद्रता की। इस घटना के बाद शादी रुक गई। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि थाने में शिकायत के बावजूद दो दिन तक कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिसके बाद मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की गई।

घर पर घुसकर किया हमला

इस मामले में पीड़ित पीड़ित रहीम खान के परिवार ने बताया कि उसकी शादी जबलपुर की एक युवती से तय हुई थी। दोनों परिवारों की सहमति से विवाह होना था और घर में तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच 12 जुलाई की शाम रहीम किसी काम से बाहर गया था। इसी दौरान उसके पास एक फोन आया और लोकेशन पूछी गई। कुछ देर बाद कुद युवक वहां पहुंचे और उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में पीड़ित रहीम की बहन रोशन आरा ने बताया कि उसी रात करीब 8 से 9 बजे के बीच 30 से 40 युवक उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने जमकर तोड़फोड़ और मारपीट की। परिवार का आरोप है कि घर में पुरुष नहीं होने का फायदा उठाकर महिलाओं के साथ अभद्रता की गई और घर में आग लगाने की भी कोशिश की गई। बीच-बचाव करने वाली महिलाओं को भी धक्का देकर गिरा दिया गया। परिवार का कहना है कि पूरी घटना के सीसीटीवी फुटेज और वीडियो उनके पास मौजूद हैं।

लगातार मिल रही थी धमकियां

एसपी कार्यालय पहुंची युवती ने बताया कि वह और रहीम एक-दूसरे को पसंद करते हैं और दोनों परिवारों की सहमति से शादी कर रहे थे। उसका आरोप है कि बेलबाग निवासी आदित्य बैन लगातार उसे और रहीम को धमकी दे रहा था कि अगर मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं होने दूंगा।

युवती ने बताया कि कुछ वर्ष पहले तक उसकी आरोपी से दोस्ती थी, लेकिन बाद में उसने जबरन शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। परिवार की मर्जी से रहीम से विवाह तय होने के बाद आरोपी लगातार धमकियां दे रहा था।

रहीम हुआ लापता

एसपी कार्यालय पहुंचे पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद गोराबाजार थाने में शिकायत की गई, लेकिन दो दिन तक कोई ठोस कार्यलय नहीं हुई। उनका यह भी दावा है कि हमले के बाद से रहीम लापता है। मंगलवार को परिवार और युवती ने एसपी कार्यालय पहुंचकर कार्यवाही की मांग की है।

पर्यावरण संरक्षण: आज की आवश्यकता, कल की सुरक्षा

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, उपजाऊ भूमि, वन, नदियाँ और जीव-जंतु, ये सभी पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। आज बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई, प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति के संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

पर्यावरण का महत्व

पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। हमें शुद्ध हवा, स्वच्छ पानी, भोजन और प्राकृतिक संसाधन पर्यावरण से ही प्राप्त होते हैं। स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य की नींव है।

पर्यावरण को प्रभावित करने वाली प्रमुख समस्याएँ

आज अनेक मानवीय गतिविधियाँ पर्यावरण के लिए खतरा बन चुकी हैं। प्रमुख समस्याओं में बढ़ता वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण, वनों की अंधाधुंध कटाई, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, जल स्रोतों का प्रदूषण अनियोजित शहरीकरण और औद्योगीकरण प्रमुख है। इन कारणों से जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ तथा प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्ति गत प्रयास

पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति से होती है। हम अपने दैनिक जीवन में कुछ सरल आदतें अपनाकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं जैसे हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाना और उसकी देखभाल करके वृक्ष में परिवर्तित करना। पानी और बिजली की बचत करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े या जूट के बैग का उपयोग करना। स्वच्छता बनाए रखना और दूसरों को भी प्रेरित करना।

क्या हो विद्यालयों की भूमिका

विद्यालय पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए विद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, वर्षा जल संचयन, पर्यावरण क्लब, जागरूकता रैलियाँ एवं प्रतियोगिताएँ जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जानी चाहिए। इससे विद्यार्थी स्वयं जागरूक बनते हैं और समाज को भी प्रेरित करते हैं।

तकनीक और पर्यावरण संरक्षण

आधुनिक तकनीक का सही उपयोग पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। डिजिटल माध्यम अपनाकर कागज़ की खपत कम की जा सकती है। वहीं सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का अधिक उपयोग प्रदूषण कम करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहायक है। उद्योगों और नगरों को भी पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाना चाहिए।

रमिता सिंह, शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

शिक्षा में अनुशासन: व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व, चरित्र और जीवन मूल्यों का निर्माण भी करती है। इस उद्देश्य की पूर्ति में अनुशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुशासन विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग, जिम्मेदारी, आत्मसंयम और कर्तव्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाता है। अनुशासन के बिना शिक्षा अधूरी है, क्योंकि यह विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा प्रदान करता है।

शिक्षा में अनुशासन का महत्व

अनुशासन शिक्षा की मूल आधारशिला है। यह विद्यार्थियों को नियमों का पालन करना, अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना तथा व्यवस्थित जीवन जीना सिखाता है। अनुशासित विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने की क्षमता विकसित करते हैं।

अनुशासन से विद्यालय का सकारात्मक वातावरण

विद्यालय में अनुशासन होने से वातावरण शांत, सुरक्षित और व्यवस्थित बना रहता है। विद्यार्थी शिक्षकों का सम्मान करते हैं, विद्यालय के नियमों का पालन करते हैं तथा अपने सहपाठियों के साथ सहयोग और सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हैं। ऐसा वातावरण अध्ययन-अध्यापन को अधिक प्रभावी बनाता है।

समय प्रबंधन और सफलता का आधार

अनुशासन विद्यार्थियों को समय का महत्व समझाता है। नियमित अध्ययन, समय पर गृहकार्य पूरा करना, समय की पाबंदी तथा दैनिक कार्यों का सुव्यवस्थित संचालन सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। जो विद्यार्थी अनुशासित रहते हैं, वे अपने लक्ष्य को अधिक सहजता से प्राप्त कर लेते हैं।

व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण में अनुशासन की भूमिका

अनुशासन केवल नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अच्छे चरित्र का निर्माण भी है। इससे विद्यार्थियों में ईमानदारी, आत्मसंयम, धैर्य, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता जैसे गुण विकसित होते हैं। यही गुण उन्हें भविष्य में एक सफल, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायता करते हैं।

जीवन में अनुशासन का व्यापक महत्व

अनुशासन का महत्व केवल विद्यालय तक सीमित नहीं है। यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र शिक्षा, परिवार, समाज, कार्यस्थल और राष्ट्र निर्माण में सफलता का आधार है। अनुशासित व्यक्ति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करता है और समाज के विकास में सकारात्मक योगदान देता है।

उम्मुल वरा
उप प्राचार्य
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
जोंसगंज, जबलपुर

सामान्य ज्ञान पहेलियां

1. किस राजा को भारत का नेपोलियन कहा जाता है?
जवाब - समुद्रगुप्त।
2. भारत की पहली स्वतंत्रता की लड़ाई किस वर्ष हुई थी?
जवाब - 1857
3. किस वीरांगना ने अंग्रेजों से लड़ते हुए झांसी की रक्षा की?
जवाब - रानी लक्ष्मीबाई।
4. मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?
जवाब - चंद्रगुप्त मौर्य।
5. भारत के संविधान के मुख्य शिल्पकार किसे कहा जाता है?
जवाब - डॉ. भीमराव आंबेडकर।
6. किस स्वतंत्रता सेनानी ने नारा दिया तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा?
जवाब- सुभाष चंद्र बोस।
7. सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध बंदरगाह कौन-सा था?
जवाब - लोथल।
8. किस मुगल सम्राट ने ताजमहल का निर्माण कराया?
जवाब - शाहजहाँ।

नीली और गुलाबी झीलों का रहस्य आखिर पानी बदलता है रंग क्यों?

क्या आपने कभी ऐसी झीलों के बारे में सुना है जिनका पानी नीला, गुलाबी या फिर हरा दिखाई देता है? पहली नज़र में यह किसी जादू से कम नहीं लगता, लेकिन इसके पीछे प्रकृति और विज्ञान का अद्भुत मेल छिपा है। झीलों का रंग उनके पानी के गुण, गहराई, खनिजों, सूक्ष्म जीवों, सूर्य के प्रकाश और आसपास के वातावरण पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं कि इन अनोखी झीलों का रहस्य क्या है।

झीलों का रंग क्यों बदलता है?

झील का पानी हमेशा एक जैसा रंग नहीं दिखता। कई बार यह मौसम, सूर्य की रोशनी, पानी की गहराई और उसमें मौजूद खनिजों या सूक्ष्म जीवों के कारण अलग-अलग रंगों में दिखाई देता है।

नीली झीलें कैसे बनती हैं?

शुद्ध गहरे पानी में सूर्य का नीला प्रकाश अधिक परावर्तित होता है, इसलिए झील नीली दिखाई देती है। जितना साफ, गहरा पानी होगा, नीला रंग उतना ही अधिक स्पष्ट दिखाई देगा। तीसरा प्रदूषण, गाद कम होने पर पानी अधिक पारदर्शी रहता है, जिससे प्राकृतिक नीला रंग उभरकर दिखाई देता है।

गुलाबी झीलें कैसे बनती हैं?

कुछ अत्यधिक खारे पानी वाली झीलों में रहने वाले सूक्ष्म शैवाल और सूक्ष्म जीव लाल या गुलाबी रंगद्रव्य बनाते हैं, जिससे पानी गुलाबी दिखाई देता है। गुलाबी झीलें सामान्यत: बहुत अधिक नमक वाली होती हैं। यही वातावरण विशेष सूक्ष्म जीवों के विकास के लिए अनुकूल होता है। गर्मी के मौसम में पानी का वाष्पीकरण बढ़ने से नमक की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे गुलाबी रंग और अधिक गहरा दिखाई दे सकता है।

क्या झील का रंग हमेशा एक जैसा रहता है?

नहीं। कई झीलों का रंग मौसम, दिन के समय, सूर्य के कोण, वर्षा और पानी की गुणवत्ता के अनुसार बदल सकता है। यही कारण है कि एक ही झील अलग-अलग समय पर अलग रंग की दिखाई दे सकती है।

दुनिया की प्रसिद्ध रंगीन झीलें

1. हिलियर झील (ऑस्ट्रेलिया)- यह झील अपने आकर्षक गुलाबी रंग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

2. रेटबा झील (सेनेगल)- अधिक लवणता और विशेष सूक्ष्म जीवों के कारण इसका पानी गुलाबी दिखाई देता है।

3. ब्लू लेक (न्यूज़ीलैंड)- दुनिया की सबसे स्वच्छ झीलों में से एक मानी जाती है, जिसका पानी बेहद साफऔर नीला दिखाई देता है।

भारत की रंगीन झीलें

1 पैंगोंग त्सो (लद्दाख) का रंग दिन और प्रकाश के अनुसार नीले के कई अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है।

2 सांभर झील (राजस्थान) में कुछ मौसमों में सूक्ष्म जीवों और अधिक लवणता के कारण कुछ हिस्सों में गुलाबी आभा दिखाई दे सकती है।

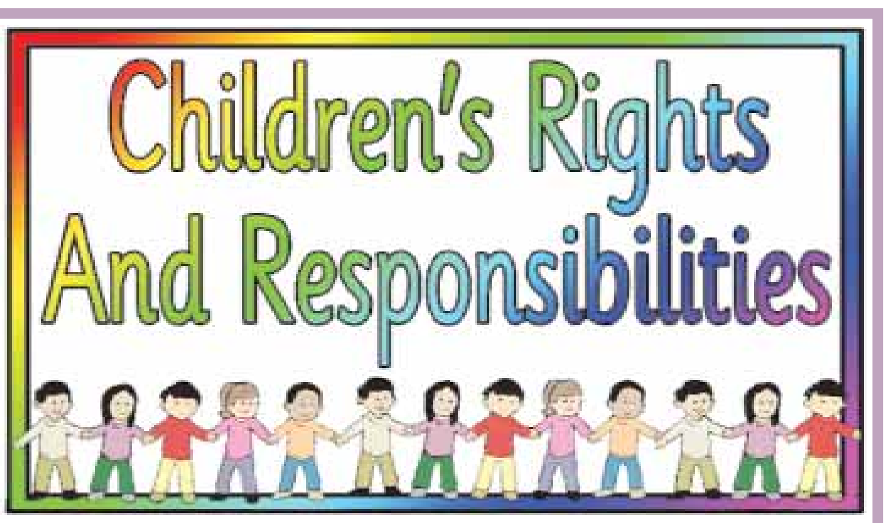

बच्चों के अधिकार और जिम्मेदारियां

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बचपन ही एक सशक्त समाज की पहचान है। इसलिए प्रत्येक बच्चे को ऐसे अधिकार दिए गए हैं, जो उसके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास में सहायक हों। लेकिन अधिकारों के साथ कुछ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जब बच्चे अपने अधिकारों को समझते हैं और अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तब वे अच्छे नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बच्चों के प्रमुख अधिकार

शिक्षा का अधिकार

हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। शिक्षा ही जीवन को नई दिशा देती है और बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

सुरक्षा का अधिकार

हर बच्चे को हिंसा, शोषण, बाल श्रम, भेदभाव और किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से सुरक्षित रहने का अधिकार प्राप्त है।

स्वास्थ्य का अधिकार

प्रत्येक बच्चे को पौष्टिक भोजन, स्वच्छ पानी, उचित चिकित्सा, टीकाकरण और स्वस्थ वातावरण मिलने का अधिकार है।

समानता का अधिकार

जाति, धर्म, भाषा, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। सभी बच्चों को समान अवसर मिलना चाहिए।

अपनी बात रखने का अधिकार

बच्चों को अपनी राय व्यक्त करने, प्रश्न पूछने और अपनी भावनाओं को सम्मानपूर्वक व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए।

खेल और मनोरंजन का अधिकार

पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला, संगीत और मनोरंजन भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

बच्चों की प्रमुख जिम्मेदारियां

1. शिक्षा को महत्व देना

नियमित रूप से विद्यालय जाना, मन लगाकर पढ़ाई करना और नई बातें सीखने का प्रयास करना हर बच्चे की जिम्मेदारी है।

2. माता-पिता, शिक्षकों का सम्मान करना

बड़ों का सम्मान करना, उनकी उचित सलाह मानना और अच्छे संस्कार अपनाना एक आदर्श विद्यार्थी की पहचान है।

3. अनुशासन का पालन करना

समय का सदुपयोग करना, विद्यालय के नियमों का पालन करना और जिम्मेदार व्यवहार अपनाना आवश्यक है।

4. पर्यावरण की रक्षा करना

पेड़-पौधों की देखभाल करना, पानी और बिजली बचाना तथा स्वच्छता बनाए रखना हर बच्चे का कर्तव्य है।

5. दूसरों के प्रति सम्मान रखना

सभी के साथ विनम्र व्यवहार करना, किसी का मजाक न उड़ाना और सहयोग की भावना रखना अच्छे चरित्र का परिचायक है।

6. देश के प्रति जिम्मेदारी निभाना

राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करना तथा कानून का पालन करना प्रत्येक बच्चे का नैतिक दायित्व है।

टाइम जोन: दुनिया में अलग-अलग समय का वैज्ञानिक रहस्य

क्या आपने कभी सोचा है कि भारत में जब सुबह होती है, तब अमेरिका के कई हिस्सों में रात क्यों होती है? इसका कारण टाइम जोन है। पृथ्वी अपनी धुरी पर 24 घंटे में एक बार घूमती है। इस घूर्णन के कारण अलग-अलग स्थानों पर सूर्योदय और सूर्यास्त का समय अलग होता है। इसी अंतर को व्यवस्थित करने के लिए पूरी दुनिया को विभिन्न समय क्षेत्रों में बाँटा गया है।

क्या है टाइम जोन?

समय क्षेत्र या टाइम जोन पृथ्वी का वह भौगोलिक भाग है जहाँ एक समान मानक समय अपनाया जाता है। पृथ्वी 360 डिग्री देशांतर में विभाजित है और 24 घंटे में एक चक्कर पूरा करती है। इसलिए प्रत्येक 15 देशांतर पर लगभग 1 घंटे का समय अंतर होता है। इसी आधार पर विश्व में लगभग 24 से अधिक प्रमुख समय क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। विश्व का मानक समय यूटीसी यानि कॉर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम माना जाता है, जो ग्रीनविच (0 देशांतर) पर आधारित है।

भारत पूरे देश में केवल एक ही समय क्षेत्र का उपयोग करता है, जिसे भारतीय मानक समय

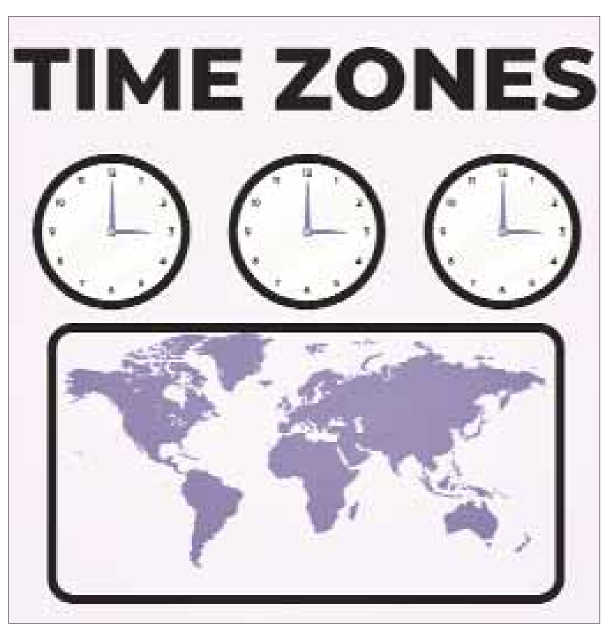

आइएसटी कहा जाता है। इसका मानक देशांतर मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के पास स्थित है। दूसरी ओर, रूस, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों में एक से अधिक समय क्षेत्र हैं, क्योंकि उनका विस्तार पूर्व से पश्चिम तक बहुत अधिक है।

समय क्षेत्र यात्रा, रेल और हवाई सेवाओं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, संचार तथा ऑनलाइन बैठकों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके कारण विभिन्न देशों के बीच समय का सही समन्वय संभव हो पाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि भारत और नेपाल के समय में 15 मिनट का अंतर है, जबकि चीन भौगोलिक रूप से कई समय क्षेत्रों में फैला होने के बावजूद पूरे देश में केवल एक ही मानक समय अपनाता है।

शब्द पहेली - 8922

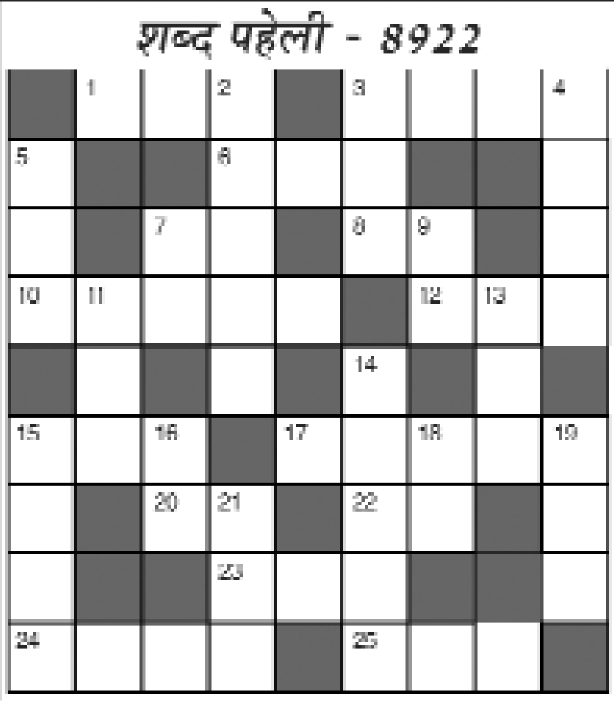

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बाल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाल 2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला-4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8921 का हल

लालच ने बनाया हैवानः डबल मनी के पैसों की तलाश में महिला पर खूनी हमला

48 घंटे में पुलिस ने किया पदार्फाश, 9 आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

बालाघाट के किरनापुर में लालच की ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। कुछ युवकों को तांत्रिक के जरिये खबर मिली कि एक महिला ने डबलमनी के लाखो करोड़ों रुपये अपने घर में गाड़ रखे हैं। बस फिर क्या था, रात के अंधेरे में मौत बनकर पहुंचे आरोपियों ने महिला पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। खून से लथपथ महिला फिलहाल एक निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है..! इस सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने पदार्फाश कर 9 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

दरअसल, जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलकत्ता में एक बुजुर्ग महिला पर हुए जानलेवा हमले की वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जहाँ आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने डबल मनी योजना के तहत महिला के घर में भारी मात्रा में नकदी रुपया गढ़ा होने की जानकारी मिलने पर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो चाकू और एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जबकि दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार 12 जुलाई 2026 को ग्राम कलकत्ता निवासी दिलीप पन्द्रे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 11 जुलाई की रात लगभग 12:30 बजे गांव की 48 वर्षीय लीलाबाई महेश्वरे अपने घर में अकेली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा, उसने महिला का मुंह दबाया और धारदार हथियार से सिर, हाथ और मुंह पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल महिला को तत्काल डायल-112 की मदद से शासकीय अस्पताल किरनापुर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण किया और मौके से मिले मोबाइल फोन सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। साइबर सेल की मदद से पुलिस संदेही वंश कुथे निवासी रजेगांव तक पहुंची। पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि लीलाबाई महेश्वरे के घर में डबल मनी योजना से प्राप्त बड़ी रकम गाड़कर रखी गई है। इसी अफवाह ने 11 लोगों को अपराध की राह पर धकेल दिया। लालच के अंधेपन में डूबे आरोपियों ने रात में हमला कर करोड़ो रुपए लूटने की साजिश रची और देर रात हथियारों से लैस होकर महिला के घर में घुस गए। हालांकि उन्हें कोई धनराशि नहीं मिली और विरोध करने पर महिला पर हमला करके फरार हो गए। पुलिस ने साक्ष्यों और आरोपियों के बयान के आधार पर वंश कुथे, विजय गोन्दुडे उर्फ मामाजी, धनेश्वर पांचे, रविन्द्र उर्फ रवि वागडे, अंकित राहगडाले, रामसिंग मर्सकोले, राजेश उर्फ नानू भैया बिसेन, नितेन्द्र उर्फ गोलू अगासे तथा आर्यन कुथे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। वहीं मामले में फरार शुभम हिंगे और रामा भोयर निवासी रजेगांव की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने इस मामले में पहले दर्ज अपराध क्रमांक 227/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 118(1) एवं 333 के साथ विवेचना के दौरान धारा 331(6), 310(2), 109, 311 तथा 61(2) भी बढ़ाई हैं। किरनापुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को जिले में गंभीर अपराधों के शीघ्र खुलासे की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जाएगी।

एक अफवाह और कुछ रुपयों का लालच और फिर खून से रंगी एक खौफनाक रात। किरनापुर की यह वारदात बताती है कि जब लालच इंसान के सिर चढ़कर बोलता है, तो वह इंसान नहीं बल्कि दरिंदा बन जाता है। फिलहाल 9 आरोपी न्यायालय में पेश किये गए है और रिमांड पर लिए जायेंगे। जिनकी जेल की सलाखे इंतजार भी कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर डबलमनी के झांसे ने कितने लोगों की सोच को अपराध की अंधेरी सुरंग में धकेल दिया है? बालाघाट से यह कहानी सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि लालच के खूनी अंजाम की चेतावनी भी है।

जंगल में मिला लापता युवक का शव, गले में निशान

शव के पास में मिली शराब और पानी बोतल

हत्या की आशंका

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम कोपे के घने जंगल में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मृतक की पहचान ग्राम डोंगरिया निवासी राजेंद्र शरणागत के रूप में हुई है7 वही मृतक की डेड बॉडी के पास शराब और पानी की बोतल मिली है तो वही गले में कुछ निशान भी है। दरअसल, 14 जुलाई की सुबह वारासिवनी थाना अंतर्गत आने वाले कोपे के जंगल में एक युवक का शव मिला जिसके चलते क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

बताया जा रहा है कि कोपे गांव के ही किसी व्यक्ति ने लाश को देखा और पुलिस को सूचना दी.। बताया जा रहा कि जिसकी लाश मिली है वह मृतक राजेंद्र शरणागत है जो डोंगरिया गाँव का निवासी है। बताया यह जा रहा ही कि राजेंद्र कल से ही लापता था जिसकी तलाश घर वाले कर रहे थे। वही राजेंद्र की जिस जगह लाश मिली है वही करीब में ही पानी की बोतल के साथ शराब की बोतल और कुछ डिस्पोजल मिले है। इतना ही सूत्रों के अनुसार राजेंद्र के गले में कुछ निशान भी मिले है, जिसे हत्या की आशंका जताई जा रही है। जिस जगह लाश मिली है उस जगह को सील करके पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद ली है। वही एफएसल टीम बारीकी से जांच कर रही है।

मृतक के परिजन का कहना है कि वह खेती किसानी का काम करता था और कल दोपहर से घर से लापता था। राजेंद्र की मौत होने की सूचना उन्हेंव्हाट्स ग्रुप से मिली। फिलहाल पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा होगा कि आखिर मौत की वजह क्या है।

नव दायित्व मिलने पर भोपाल पहुंचे अजय सुखदेव, शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार की सहमति एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुमति से घोषित जिला प्रभारियों की सूची में बालाघाट के भाजपा नेता अजय सुखदेव को शहडोल जिला प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है।

नव दायित्व मिलने के बाद अजय सुखदेव ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद एवं संगठनात्मक मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व सदस्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, पूर्व महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती लता एलकर तथा पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वैभव पवार से भेंट कर आभार व्यक्त किया।

इसके बाद अजय सुखदेव भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले कार्यालय की चौखट पर माथा टेककर नमन किया तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात अनुसूचित जाति मोर्चा कक्ष

में प्रदेश महामंत्री कृष्णा चौधरी एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अमर अटवाल से मुलाकात कर उन्हें गमछा पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर युवा नेता जितेंद्र गौतम, मनोज, अवलेश पारधी एवं विकास भी उपस्थित रहे।

अजय सुखदेव ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे शहडोल जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की रीति-नीति एवं केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करना उनका संकल्प है तथा संगठन के प्रति वे हमेशा चट्टान की तरह अडिग रहेंगे।

मानपुर ने किया 3 करोड़ से अधिक के सड़क निमार्ण का भूमिपूजन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले के मानपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है। क्षेत्र की लोकप्रिय विधायिका सुश्री मीना सिंह द्वारा अपने विधानसभा में विकास कार्यों को नई गति देते हुए दिन रविवार 12 जुलाई को बड़ार रोड से कोलर बैगान टोला एवं डोड़का से खोली तक में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। जिसमें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अंतर्गत ग्राम कोलर से बैगान टोला तक 96 लाख 44 हज़ार व ग्राम डोड़का में पंचायत भवन के पास से खोली मोहल्ला तक 2 करोड़ 36 लाख की लागत से बनने वाले सड़क का भूमिपूजन किया गया। मुख्यातिथि विधायक सुश्री मीना सिंह, अनुजा पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता एवं विषिष्ट अतिथि ममता सिंह जनपद अध्यक्ष मानपुर की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बीज वितरण में लापरवाही पर कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी सलील दीक्षित निलंबित

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

स्वतंत्र मत अखबार के द्वारा प्रमुखता से खबर का प्रकाशन कर ग्राम सेवक के घर से सरकारी बीज होने की जानकारी की ख़बर प्रमुखतः से प्रकाशन किया गया था, समाचार प्रकाशन के पश्चात कृषि विभाग ने घर से बीज बरामद किया था, जिसके बाद कलेक्टर मृणाल मीणा के आदेश अनुसार कृषि विभाग उपसंचालक फुलसिह मालवीय ने ग्राम सेवक सलिल दीक्षित को निलंबित कर दिया है।

कलेक्टर मृणाल मीना ने कृषि विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही एवं लक्ष्य पूर्ति में असंतोषजनक प्रगति पाए जाने पर विकासखंड कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी सलील दीक्षित (क्षेत्र देवरी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका

खबर का असर : स्वतंत्रमत की खबर के बाद कृषि विभाग में हड़कंप

मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी निर्धारित किया गया है।

16 मई 2026 को आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सुपर सीडर, बेलर, स्प्रिंकलर, पाइपलाइन, एआईएफ तथा जे-फार्म पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों के विरुद्ध श्री सलील दीक्षित की शून्य प्रगति पाई गई थी। इसके अलावा स्वाइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी योजना के तहत वर्ष 2026-27 में मिट्टी के नमूने एकत्रित कर प्रयोगशाला भेजने के निर्धारित 70 के लक्ष्य के मुकाबले केवल 21 नमूनों की ही प्रगति दर्ज की गई। किसानों को वितरण हेतु तिल एवं उड़द बीज का निर्धारित लक्ष्य भी श्री दीक्षित द्वारा पूरा नहीं किया गया। इस संबंध में 26 मई 2026 को कृषि विस्तार अधिकारी श्री सलील दीक्षित को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनके द्वारा निर्धारित अवधि तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इन तथ्यों के आधार पर कलेक्टर मृणाल मीना ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी श्री सलील दीक्षित को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी, लांजी निर्धारित किया गया है तथा इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

धान बीज के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से लगाया गया प्रतिबंध

उमरिया (स्वतंत्र मत)। कृषकों के हितों एवं गुणवत्तायुक्त बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में बीजों की गुणवत्ता की सतत निगरानी की जा रही है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि मेसर्स राम दरबार बीज भंडार, ग्राम बड़छड़, विकासखंड मानपुर द्वारा विक्रय किए जा रहे कंपनी सीड वर्कस इंटरनेशनल लिमिटेड, गोडावली विलेज, मेडचल, मेसर्स राम खाद एवं बीज भंडार मानपुर, कंपनी सीड वर्कस इंटरनेशनल लिमिटेड, गोडावली विलेज, मेडचल, मेसर्स शुक्ला बीज भंडार मानपुर, कंपनी अंकुर सीडस प्राई. लि.नागपुर, सायाजी सीडस अहमदाबाद, निरमल सीडस प्राई. लि. भडगांव रोड पचौरा, मेसर्स दिव्या ट्रेडर्स ग्राम पड़वार मानपुर, कंपनी कावेरी सीडस कंपनी लि. सिकंदराबाद, मेसर्स नयन बीज भंडार ग्राम बकेली, कंपनी बायर बायो साईंस प्राई. लि. हीरानंदनी महाराष्ट्र के धान बीज नमूनें अमानक स्तर के पाए जाने के कारण उक्त धान बीज के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगाया गया है।संबंधित बीज विक्रेता को निर्देशित किया गया है कि प्रतिबंधित धान बीज का विक्रय, वितरण अथवा स्थानांतरण तत्काल बंद करें तथा उपलब्ध समस्त स्टॉक को पृथक रखें एवं बीज का विक्रय न करें। उप संचालक कृषि ने जिले के कृषकों से अपील की है कि वे उक्त प्रतिबंधित धान बीज का क्रय न करें। यदि किसी कृषक ने इस बीज का क्रय किया है अथवा इस संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल अपने निकटतम कृषि कार्यालय अथवा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को दें। उप संचालक कृषि ने स्पष्ट किया है कि कृषकों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

जिले में दस्तक अभियान का शुभारंभ 14 जुलाई को हुआ। बच्चों को कुपोषण एवं विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित दस्तक अभियान का शुभारंभ कलेक्टर राखी सहाय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर किया। जिला कलेक्टर द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सृष्टि यादव, वैष्णवी केवट, शिवांश कुमार, अनिकृत बर्मन, नूरफातिमा, सम्राट यादव, गुंजन यादव को विटामिन ए की दवाई पिलाई गई। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा समय पर टीकाकरण एवं विटामिन-ए की खुराक दिलाने की अपील की। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल ने बताया कि पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच, उपचार, विटामिन व आयरन की गोलियों की उपलब्धता कराने के साथ ही ओआरएस व जिंक उपलब्ध कराने के उददेश्य से 14 जुलाई से 31 अगस्त तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा।

कागजों में खत्म हुआ संलग्नीकरण, दफ्तरों में अब भी जमे शिक्षक ?

संचालनालय के सख्त आदेश के बाद डीईओ ने मांगे प्रमाण-पत्र

के.के. शुक्ला

उमरिया (स्वतंत्र मत)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के संलग्नीकरण (अटैचमेंट) को समाप्त करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जाने के बावजूद उमरिया जिले में इन आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि जिले के विभिन्न शिक्षा कार्यालयों में आज भी कई शिक्षक एपीसी, जन शिक्षक, जिला शिक्षा कार्यालय तथा अन्य प्रशासनिक शाखाओं में कार्यरत हैं। खास बात तो यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी ने अधीनस्थ अधिकारियों और संकुल प्राचार्यों से यह प्रमाण-पत्र तो मांग लिया कि उनके अधीन कोई भी शिक्षक किसी कार्यालय में संलग्न नहीं है, लेकिन विभागीय सूत्रों का दावा है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ही शिक्षक प्रशासनिक कार्य कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय ने 5 जुलाई 2026 को सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए थे, कि गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगे शिक्षकों को तत्काल उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजा जाए। इसके अगले ही दिन, 6 जुलाई को जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया ने जिले के सभी संकुल प्राचार्यों से प्रमाण-पत्र मांगा कि उनके संकुल के अंतर्गत कोई भी शिक्षक किसी कार्यालय में संलग्न नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या संलग्नीकरण वास्तव में समाप्त हुआ है या केवल कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रह गया है।

वहीं 13 जुलाई को मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त द्वारा वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से तत्काल समस्त प्रकार के आसंजन/ अटैचमेंट/ कार्यानुमति जो किसी भी नाम से हों समाप्त करने का निर्देष दिया गया, लेकिन उमरिया में आयुक्त के निर्देष को महज

फरमान जारी तक ही सीमित करके रखा गया और दफ्तरों में षिक्षक अटैच हैं।

पहले भी जारी हो चुके हैं आदेश

शिक्षकों के संलग्नीकरण को समाप्त करने संबंधी आदेश इससे पहले भी लोक शिक्षण संचालनालय स्तर से कई बार जारी किए जा चुके हैं। कई बार रिमाइंडर भी भेजे गए, लेकिन व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा। 5 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संचालनालय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य नहीं कराए जाएं तथा अन्य कार्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को तत्काल उनके मूल विद्यालय भेजा जाए। वहीं 13 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेने का निर्देष देते हुए आसंजन समाप्त करने के लिए निर्देष दिया।

डीईओ ने मांगा प्रमाण-पत्र

छः जुलाई को जिला शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं सभी संकुल प्राचार्यों को आदेश जारी कर निर्देश दिए कि यदि उनके अधीन कोई शिक्षक किसी कार्यालय में संलग्न है, तो उसे तत्काल कार्यमुक्त कर मूल विद्यालय भेजा जाए। साथ ही यह प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करने को कहा गया कि उनके अधीन कोई शिक्षक किसी कार्यालय में संलग्न नहीं है।

ई-अटेंडेंस पर भी उठ रहे सवाल-

विभागीय निर्देशों के अनुसार प्रत्येक शिक्षक को अपनी मूल पदस्थापना वाले विद्यालय से ही दोनों समय ई-अटेंडेंस दर्ज करनी होती है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक प्रतिदिन किसी कार्यालय में प्रशासनिक कार्य कर रहा है, तो उसकी उपस्थिति किस आधार पर दर्ज हो रही है, यह भी जांच का विषय है।

क्या अपने ही कार्यालय में चूक रहे साहब

जिला शिक्षा अधिकारी ने अधीनस्थ अधिकारियों से तो संलग्नीकरण समाप्त होने का प्रमाण-पत्र मांग लिया, लेकिन यदि जिला शिक्षा कार्यालय सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न शाखाओं में अब भी शिक्षक प्रशासनिक कार्यों में लगे हुए हैं, तो आदेशों के पालन की वास्तविक स्थिति पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जांच के घेरे में पूरी व्यवस्था

सूत्रों का कहना है कि यदि शिक्षक कार्यालयों में कार्यरत पाए जाते हैं, तो उनकी ई-अटेंडेंस, वेतन भुगतान और विभागीय नियमों के अनुपालन की प्रक्रिया की भी जांच की जानी चाहिए। अब देखना होगा कि जिला शिक्षा विभाग इस पूरे मामले में क्या स्पष्टीकरण देता है और संचालनालय के निर्देशों का जिले में वास्तविक पालन किस स्तर तक सुनिश्चित किया जाता है।

इन्होंने कहा

जितने भी संलग्नीकरण थे उन्हें हटा दिया गया है, डीबीटी के पद में हैं वे भोपाल के आदेष से हैं। जिला षिक्षा केन्द्र कार्यालय में होंगे तो उसकी जानकारी नहीं हैं, यदि ऐसा होगा तो मैं उन्हें भी हटाने की कार्यवाही करूंगा।

-भूपेन्द्र सिंह वरकडे, डीईओ उमरिया

रेल सुविधा की मांग को लेकर विधायक ने कहा- सरकारी फाइलों के पारंपरिक नजरिए से हटकर जनहित का रखें ध्यान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

रेल सुविधा को लेकर कांग्रेस विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मोर्चा खोल दिया है उन्होंने मंगलवार को अपने विधायक बंगले में प्रेसवार्ता आयोजित कर मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकौशल और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य अंचलों में दशकों से लंबित रेल सुविधाओं के विस्तार और विकास के लिए राजधानी दिल्ली में एक बड़ा मोर्चा खोल दिया है। मण्डला जिले की रेल समस्याओं को देश के शीर्ष पटल पर रखने के उद्देश्य से अपने दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक श्री पट्टा ने रेलमंत्री को जिले की रेल सेवाओं के विस्तार व विकास के लिए केंद्रीय रेलमंत्री को मांग पत्र प्रेषित किये हैं। व्यस्तता के चलते केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से प्रत्यक्ष भेंट तो संभव नहीं हो सकी लेकिन विधायक पट्टा के निरंतर प्रयासों और विशेष अनुरोध पर रेलमंत्री ने उनसे फोन पर अत्यंत सकारात्मक और विस्तृत चर्चा की इस महत्वपूर्ण दूरभाषवार्ता के दौरान विधायक नारायण सिंह पट्टा ने जिले की भौगोलिक सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कुल 6 विशेष मांग पत्र ज्ञापन रेल मंत्रालय को सौंपे। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि इन मांगों को केवल सरकारी फाइलों के पारंपरिक नजरिए से न देखकर नीतिगत सुधार और व्यापक जनहित के चश्मे से देखा जाना चाहिए। विधायक द्वारा सौंपे गए 6 ज्ञापनों की प्रमुख मांगें और तकनीकी आधार 126 वर्ष पुराने बिलासपुर-जबलपुर रेल कॉरिडोर को राष्ट्रीय प्राथमिकता विधायक ने अपने पहले ज्ञापन में बिलासपुर-पंडरिया-मंडला-जबलपुर रेल कॉरिडोर के मिसिंग लिंक पंडरिया-मंडला-ग्वारीघाट के बीच 230 किलोमीटर के अद्यतन यातायात सर्वेक्षण को तत्काल मंजूरी देने मांग की ऐतिहासिक साक्ष्य बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट गजेटियर 1910 और मंडला डिस्ट्रिक्ट गजेटियर 1912 प्रमाणित करते हैं कि यह रूट 126 साल पहले से स्वीकृत मार्ग था आर्थिक व्यावहारिकता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के हालिया प्रशासनिक डेटा के अनुसार इस क्षेत्र का आरओआर बढ़कर 1.73 प्रतिशत हो चुका है जो इसकी वर्तमान आर्थिक उपयोगिता को सिद्ध करता है। इस 230 किमी के मिसिंग लिंक के जुड़ने से जबलपुर और बिलासपुर के बीच की दूरी में 100 से 110 किलोमीटर की सीधी बचत होगी और यह मार्ग प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक अंतरराष्ट्रीय सर्किट से जोड़ देगा। नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर पेंड्रा रोड से गोटेगांव के लिए एफएलएस की स्वीकृति पेंड्रारोड-अमरकंटक-डिंडौरी-मंडला-घंसौर-लखनादौन-गोटेगांव श्रीधाम तक 406.2 किलोमीटर लंबी नवीन रेल परियोजना को गति देने मांग की गई है। पूर्व में हुए टोह सर्वेक्षण के बाद अब इसके एफएलएस को तुरंत मंजूरी देने का आग्रह किया गया है। जंगल रेल कॉरिडोर 4395.85 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना अमरकंटक और झोतेश्वर धाम जैसे धार्मिक केंद्रों को जोड़ने के साथ कान्हा, पेंच और अचानकमार जैसे विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों से गुजरेगी, जिससे यह देश का अद्वितीय जंगल रेल कॉरिडोर बनेगा मण्डला फोर्ट रेलवे स्टेशन को कागजों पर तो टर्मिनल का दर्जा प्राप्त है लेकिन वहां ट्रेनों के रखरखाव की बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं रेलवे प्रशासन द्वारा 30 जुलाई 2026 से मण्डला फोर्ट पर ट्रेनों की सफाई और पानी भरने की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है विधायक ने मांग की है कि रेलवे बोर्ड के सेकेंडरी मेंटेनेंस नियमों के अंतर्गत मण्डला फोर्ट में आवश्यक आधारभूत ढांचे पिट लाइन, वॉशिंग लाइन, कोचिंग डिपो का विकास कर इसे पूर्ण टर्मिनल बनाया जाए मण्डला फोर्ट से देश के चारों कोनों के लिए 9 नई सुपर फास्ट ट्रेनें स्टेशन पर टर्न-अराउंड व्यवस्था सुदृढ़ होने के बाद विधायक नारायण सिंह पट्टा ने सीधे तौर पर 9 प्रमुख रूटों पर नई ट्रेनों के संचालन की नीतिगत स्वीकृति मांगी है बेंगलुरु मण्डला कान्हा सुपरफास्ट इंदौर-मण्डला नर्मदा महाकाल सुपरफास्ट दिल्ली-मण्डला रानी दुर्गावती सुपरफास्ट मुंबई-मण्डला मां राजराजेश्वरी सुपरफास्ट अयोध्या-मण्डला अवध सुपरफास्ट रामेश्वरम-मण्डला नर्मदा रामेश्वरम सुपरफास्ट हावड़ा-मण्डला रानी फूलकुंवर बाई सुपरफास्ट काशी-मण्डला गंगा नर्मदा त्रिवेणी सुपरफास्ट कटरा-मण्डला शक्ति-नर्मदा सुपरफास्ट इसके अतिरिक्त मण्डला से बीकानेर स्वर्ण-मरु नर्मदा एक्सप्रेस-वाया जयपुर-इतवारी नई ट्रेन शुरू करने और पेंचवैली व पातालकोट एक्सप्रेस का विस्तार मण्डला फोर्ट तक करने का भी लिखित सुझाव दिया गया है। मण्डला फोर्ट स्टेशन के मास्टर प्लान में सुधार स्टेशन के आधुनिकीकरण और पैसेंजर सुविधाओं को बेहतर करने के लिए तकनीकी सुधारों की मांग की गई है मास्टर प्लान में संशोधन स्टेशन के अंतिम छोर पर रिक्त भूमि पर 4-5 पिट और स्टेबलिंग लाइनें बनाई जाएं और कुल 5 प्लेटफॉर्म विकसित हों। व्यावसायिक क्षेत्र के स्थान पर पूरी भूमि का उपयोग केवल रेल परिचालन और पैसेंजर सुविधाओं चौकी वाई-फाई के लिए आरक्षित किया जाए। 230 किमी मार्ग का दोहरीकरण नैनपुर बाईपास एवं रेल कोच फैक्ट्री की स्थापना अंतिम मांग पत्र के माध्यम से क्षेत्र के रेल नेटवर्क को भविष्य के लिए तैयार करने का खाका खींचा गया है मण्डला फोर्ट-नैनपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा-आमला जंक्शन तक 230 किमी मार्ग का दोहरीकरण हो तथा लोको रिवर्सल की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नैनपुर बाईपास लाइन का निर्माण किया जाए। नैनपुर के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए वहाँ उपलब्ध 700 एकड़ से अधिक सरप्लस रेलवे भूमि पर रेल कोच फैक्ट्री की स्थापना की जाए और पुनः पूर्ण कार्यालय स्थापित हो रेल एक्टिविस्टों की लगातार सक्रियता से बढ़ रहीं मंडला के रेल विकास की उम्मीदें आदिवासी अंचल क्षेत्र के रेल विकास के लिए लगातार संघर्ष कर रहे स्वतंत्र रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी अभिजीत सोनवानी सहित अन्य के द्वारा समय-समय पर तकनीकी सुझावों और ठोस आंकड़ों के साथ उठाई गई आवाज आज धरातल पर रंग लाती दिख रही है।

साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए एक लाख

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित मार्बल सिटी हॉस्पिटल के नाम पर कथित साइबर ठगी का गंभीर मामला सामने आया है। ऑनलाइन एडमिशन के नाम पर मरीज से मात्र 5 रूपए का पंजीयन शुल्क जमा कराने के बहाने साइबर अपराधियों ने उसके बैंक खाते से 1 लाख की राशि उड़ा ली घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस थाना लार्डगंज जबलपुर और राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई है मामले ने अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों में चिंता बढ़ा दी है जानकारी के अनुसार पीड़ित ने इलाज एवं भर्ती प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से मार्बल सिटी हॉस्पिटल के आधिकारिक लैंडलाइन नंबर पर संपर्क किया फोन रिसीव करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को अस्पताल का कर्मचारी बताते हुए ऑनलाइन एडमिशन की सुविधा उपलब्ध होने की बात कही कुछ देर बाद एक निजी मोबाइल नंबर से पीड़ित के मोबाइल पर एक लिंक भेजा गया और कहा गया कि केवल 5 रू का औपचारिक पंजीयन शुल्क जमा करने पर एडमिशन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी पीड़ित ने भेजे गए लिंक पर अपनी आवश्यक जानकारी भरकर 5 रू का ऑनलाइन भुगतान किया। भुगतान पूरा होने के कुछ ही क्षण बाद उसके बैंक खाते से लगभग 1 लाख की राशि कट गई अचानक इतनी बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलते ही पीड़ित के होश उड़ गए और उसने तुरंत संबंधित बैंक, अस्पताल प्रबंधन तथा पुलिस से संपर्क किया घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया कि उनके लैंडलाइन नंबर को हैक कर लिया गया है। प्रबंधन का कहना है कि इसी कारण कॉल करने वाले लोगों तक साइबर ठग पहुंच रहे हैं और उन्हें फर्जी लिंक भेजकर ठगी की जा रही है हालांकि इस दावे ने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में किसी लैंडलाइन नंबर का इस प्रकार दुरुपयोग होना आसान नहीं होता। यदि आज भी उसी नंबर पर कॉल करने पर अस्पताल में ही कॉल रिसीव हो रही है तो यह जांच का विषय है कि कॉल किस प्रकार साइबर अपराधियों तक पहुंच रही है या फिर किसी अन्य तकनीकी माध्यम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुनीं आमजनों की समस्या

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्या का न्यायोचित समाधान करने की बात कही जनसुनवाई में मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जन सुनवाई में दूरस्थ तहसीलों से आए 104 आवेदकों की समस्याओं को लेकर अपर कलेक्टर ने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की और उन्हें शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन सख्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में नगर पालिका राजस्व विभाग कोतवाली पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने कार्यवाही की गई। इस दौरान एनआरसी के पास किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए छोटे-बड़े कुल 11 टीनशेड हटाए गए इसके साथ ही उदय चौक से बड़ चौराहा मार्ग तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और आमजन को आवागमन में सुविधा मिले कार्यवाही के दौरान नायब तहसीलदार रामसिंह उलाड़ी सहित उनकी टीम उपस्थित रही जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों एवं सड़क किनारे किए गए।

आईएफएमआईएस प्रशिक्षण 16 से

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला कोषालय कार्यालय द्वारा आईएफएमआईएस प्रणाली के प्रभावी संचालन एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से 16 एवं 17 जुलाई को प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे जिला कोषालय अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा संबंधित कर्मचारियों को आईएफएमआईएस प्रणाली के संचालन ऑनलाइन प्रक्रियाओं एवं आवश्यक तकनीकी बिंदुओं की जानकारी दी जाएगी जिससे वित्तीय कार्यों का निष्पादन अधिक पारदर्शी सुगम एवं समयबद्ध ढंग से किया सके।

शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे के आरोप

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया एवं नारायणगंज क्षेत्र में शासकीय भूमि पर दोबारा अवैध अतिक्रमण किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नवीन हाई स्कूल के आसपास स्थित शासकीय जमीन पर रातों-रात कब्जा किया जा रहा है जबकि इसकी जानकारी पंचायत के सरपंच सचिव और संबंधित अधिकारियों को होने का भी दावा किया जा रहा है बताया जा रहा है कि विगत माह पंचायत द्वारा नवीन हाई स्कूल के आसपास किए गए पक्के अतिक्रमण को हटाया गया था हालांकि अब उसी स्थान पर धीरे-धीरे फिर से अतिक्रमण किए जाने की शिकायत सामने आई है। आरोप है कि अधिकांश अतिक्रमण शासकीय अवकाश के दिनों या रात के समय किया जाता है जिससे अधिकारियों की नजर नहीं पड़ती। शिकायत कर्ताओं के अनुसार नवीन हाईस्कूल के मुख्य द्वार के सामने भी अतिक्रमण किया गया है जिसे अब तक नहीं हटाया गया है उनका कहना है कि इस मामले की जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद प्रभावी कार्यवाही नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया है कि मामले में 181 पर शिकायत दर्ज कराई गई है तथा न्यायालय से स्थगन स्टे आदेश भी प्रभावी है। इसके बावजूद शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की गतिविधियां जारी रहने का आरोप लगाया जा रहा है ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है।

हाईटेंशन की चपेट में आने से मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। उपनगर महाराजपुर थाना क्षेत्र के ज्वालाजी वार्ड में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक किसी कार्य के दौरान ऊंचाई पर काम कर रहा था। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश करंट लगने का माना जा रहा है। हालांकि पुलिस यह भी पता लगा रही है कि जिस स्थान पर कार्य किया जा रहा था वहां सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

द आर्ट ऑफ लिविंग प्रोग्राम 16 से

मण्डला(स्वतंत्रमत)

द आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वाधान में आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव रविशंकर की प्रेरणा से 16 से 19 जुलाई तक चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी शिवतेज के सान्निध्य में होगा यह कार्यक्रम होटल विस्तारा जिला पंचायत कार्यालय के सामने में होगा। जिसमें दो बैच आयोजित होंगी। प्रातःकालीन बैच का समय सुबह 6 से 9 बजे तथा सायंकालीन बैच का समय शाम 6 से 9 बजे निर्धारित किया गया है कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रभावी श्वास तकनीक प्राणायाम ध्यान योग एवं सुदर्शन क्रिया का प्रशिक्षण दिया जाएगा आयोजकों के अनुसार इन अभ्यासों से तनाव चिंता और मानसिक थकान कम करने मानसिक शांति प्राप्त करने ऊर्जा एवं उत्साह बढ़ाने तथा समग्र स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार का अनुभव होता है आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश शुल्क रहेगा तथा पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है इच्छुक प्रतिभागी अपनी सुविधा के अनुसार प्रातःकालीन या सायंकालीन बैच में शामिल हो सकते हैं कार्यक्रम के मुख्य आयोजक समाजसेवी मृदुला काल्पीवार, सरिता अग्निहोत्री, गीता काल्पीवार, आशीष अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, रेणु अग्रवाल, जितेंद्र चौरसिया, बब्बल खरया, डब्बल खरया, आलोक शुक्ला, शक्ति क्षेतिजा, नमन जैन, राजेश राय एवं रमेश साहू शामिल हैं।

नियम उल्लंघन पर हजारों का जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 10 दिवसीय विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अशासकीय ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल, अशासकीय सेंट बंता कॉन्वेंट स्कूल पिंडरई अशासकीय अपोलो स्कूल तथा अशासकीय सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल बम्हनी में संचालित स्कूली बसों एवं वैनों का सघन निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान विभिन्न नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर परिवहन विभाग एवं पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए बिना परमिट संचालित दो वाहनों पर कुल 20 हजार रूपए, फिटनेस प्रमाण-पत्र संबंधी उल्लंघन पर एक वाहन पर 5 हजार रूपए बीमा नियमों के उल्लंघन पर एक वाहन पर 5 हजार रूपए, पीयूसी प्रमाण-पत्र नहीं होने पर एक वाहन पर 1 हजार रूपए तथा फर्स्ट एड बॉक्स एवं अग्निशमन यंत्र जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों के अभाव में 3 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया।

पटवारी 17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश पर

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर जिले के पटवारी 15 जुलाई से 17 जुलाई तक तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर आज से रहेगे। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि लंबे समय से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिए जाने के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। सामूहिक अवकाश के दौरान जिले में पटवारी वर्ग ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी शासकीय कार्य का निष्पादन नहीं करेगा मध्यप्रदेश शासन द्वारा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को वर्षों बाद पदोन्नति का लाभ दिया जा रहा है लेकिन पटवारी वर्ग को अब तक पदोन्नति से वंचित रखा गया है। जबकि भू-प्रबंधन एवं संसाधन विभाग के अन्य कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल रहा है। इसे पटवारी संघ ने भेदभावपूर्ण रवैया बताते हुए शासन के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेशभर के सभी जिलों में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा गया था। जिले में भी कलेक्टर को ज्ञापन देकर सात दिन के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया गया था। लेकिन निर्धारित अवधि में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण अब प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत सामूहिक अवकाश का निर्णय लिया गया है पटवारी संघ की प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू लागू करना, पदोन्नति की व्यवस्था, समयमान वेतनमान का लाभ, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का आयोजन, जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारी वर्ग को शामिल करना, लंबित वित्तीय भुगतानों का निराकरण तथा अन्य लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान शामिल हैं संघ के अनुसार जिले की सभी तहसीलों में तहसील अध्यक्षों के नेतृत्व में तहसीलदारों को सामूहिक अवकाश की सूचना और ज्ञापन सौंपा गया है। 15 से 17 जुलाई तक सभी पटवारी अपने नियमित कार्यों से पूरी तरह विरत रहेंगे।

नैनपुर-जबलपुर पैसेंजर ट्रेन में कोचों की कमी से यात्री बेहाल

सामान रखने वाले रैक में सफर करने को मजबूर मुसाफिर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर से प्रातः 6ः40 बजे रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 51704 नैनपुरङ्कजबलपुर पैसेंजर इन दिनों यात्रियों की भारी भीड़ के चलते गंभीर अव्यवस्था का शिकार बनी हुई है। वर्तमान में यह ट्रेन मात्र नौ कोचों के साथ संचालित हो रही है, जो यात्रियों की संख्या के अनुपात में बेहद कम साबित हो रही है।

स्थिति यह है कि यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल पा रही है। कई यात्री अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ सामान रखने वाले रैक में बैठकर यात्रा करने को मजबूर हैं, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत चिंताजनक है। किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में जिम्मेदारी तय करना भी कठिन होगा। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार

इस ट्रेन में सैकड़ों से अधिक एमएसटी (मंथली सीजन टिकट) धारक यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं, जिनमें अधिकांश श्रमिक वर्ग के लोग शामिल हैं। ये श्रमिक मध्यवर्ती स्टेशनों से जबलपुर तक यात्रा कर दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं और शाम को ट्रेन संख्या 51703 से वापस लौटते हैं। दुर्भाग्यवश, उन्हें न तो आने के समय और न ही लौटते समय बैठने की सुविधा मिल पाती है, जिससे उनका सफर अत्यंत कष्टदायक हो जाता है। भीड़ के कारण यात्री अक्सर खड़े-खड़े यात्रा करने या फिर सामान हटाकर रैक में बैठने को विवश हैं। इससे अन्य यात्रियों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वे अपना सामान रखने के लिए स्थान नहीं ढूंढ पाते। विशेष रूप से बम्हनी और चिरईडोंगरी जैसे स्टेशनों से बड़ी संख्या में यात्री जबलपुर की ओर जाते हैं। बस से यात्रा करने पर जहां ?250 से ?300 तक का किराया लगता है, वहीं ब्रॉडगेज ट्रेन से मात्र ?30 में यह सफर संभव है, जिससे ट्रेन में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी प्रकार, छिंदवाड़ाङ्कनैनपुरङ्कमंडला मार्ग पर संचालित ट्रेन संख्या 58823 एवं 58824 की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। इन ट्रेनों में केवल 8 कोच लगाए गए हैं, जबकि प्रारंभ में 12 कोचों के साथ संचालन का प्रावधान था। परिणामस्वरूप यात्रियों को खड़े-खड़े लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों एवं यात्रियों द्वारा रेल प्रशासन को कई बार इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, किन्तु अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है।

संपादकीय

कॉकरोच नहीं घुन से डरिए

इस साल मई माह में गर्मी के साथ-साथ नीट-यूजी परीक्षा देने वाले 22.8 लाख से ज्यादा छात्रों के सपनों में भी आग लगी हुई थी। देशभर के लाखों घरों में उम्मीद, तनाव और भविष्य एक ही दिन पर टिके थे। लेकिन, कुछ ही दिनों बाद खबर आई- नीट-यूजी परीक्षा निरस्त कर दी गई है। सोशल मीडिया पर वायरल गेस पेपर के सैकड़ों सवाल असली प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। मामला इतना गंभीर हुआ कि सीबीआई जांच शुरू करनी पड़ी। जांच की परतें खुलीं तो साजिश एनटीए से जुड़े शिक्षकों, स्कूल प्रिंसिपलों, डॉक्टरों और कोचिंग नेटवर्क तक जा पहुंची। लाखों रुपए में पेपर बिके और ईमानदारी से पढ़ने वाले बच्चे फिर एक बार अनिश्चितता, तनाव और तैयारी के उसी अंतहीन चक्र में धकेल दिए गए। यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं था। यह उस व्यवस्था का चेहरा था जो बच्चों को यह भरोसा दिलाती है कि मेहनत करो, सपने पूरे होंगे। लेकिन हर पेपर लीक के बाद वही व्यवस्था उन्हें सिखाती है कि इस देश में मेहनत से ज्यादा ताकत सिस्टम की है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था, शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा। लेकिन आज का शिक्षा तंत्र बच्चों को दहाड़ना नहीं, डरना सिखा रहा है। आज बच्चे सिर्फ परीक्षा से नहीं लड़ रहे। वे उस व्यवस्था से भी लड़ रहे हैं जो धीरे-धीरे उन्हें यह सिखा रही है कि ईमानदारी पर्याप्त नहीं है। यह बेहद खतरनाक संदेश है। सवाल केवल एनटीए का नहीं। पूरा परीक्षा मॉडल पुनर्विचार मांग रहा है। जरूरत परीक्षा प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण की है। एनटीए जैसी संस्थाओं की स्वतंत्र जवाबदेही तय करने की। कोचिंग उद्योग पर सख्त रेगुलेशन और फीस कैप लगाने की। मानसिक स्वास्थ्य सहायता को अनिवार्य बनाने की। बोर्ड परीक्षा और एंट्रेंस मॉडल के बीच बेहतर संतुलन बनाने की और सबसे महत्वपूर्ण- एक ही करियर को सफलता मानने की मानसिकता बदलने की। बच्चे चीख रहे हैं- हमारी गुहार सुनो। बच्चे भ्रष्टाचार के खिलाफ बोल रहे हैं, लेकिन व्यवस्था अक्सर उनकी बेचैनी को राजनीतिक शोर मानकर खारिज कर देती है। उन्हें केवल अगली परीक्षा की तारीख नहीं चाहिए। उन्हें एक ऐसा सिस्टम चाहिए जिस पर वे भरोसा कर सकें। नेल्सन मंडेला ने कहा था, शिक्षा दुनिया को बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार है। लेकिन अगर वही शिक्षा व्यवस्था भ्रष्टाचार, लीक और अविश्वास से भर जाए, तो वही हथियार समाज के खिलाफ भी काम करने लगता है। जिस देश के युवा अपने ही सिस्टम पर भरोसा खो दें, वहां सिर्फ शिक्षा नहीं टूटती- लोकतंत्र भी कमजोर होने लगता है। 2024 में भी नीट पेपर लीक और टॉपर विवाद ने देश को झकझोर दिया था। 2026 में फिर वही पैटर्न सामने आया। बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और दिल्ली तक जांच की आंच पहुंची। सीबीआई ने शिक्षकों, स्कूल प्रिंसिपलों और मेडिकल नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया। यह सिर्फ अपराध नहीं था, यह व्यवस्था के भीतर बैठे भ्रष्ट गठजोड़ का संकेत था। जब कोई परीक्षा लीक होती है तो प्रश्नपत्र ही बाहर नहीं आता, व्यवस्था का नैतिक दिवालियापन भी बाहर आ जाता है। आज का छात्र यह देख रहा है कि कोई लाखों रुपए देकर पेपर खरीद सकता है, कोई नेटवर्क के जरिए एडवांटेज हासिल कर सकता है, और ईमानदार छात्र दोबारा तैयारी करने की सलाह पाता है। यही किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है। भारत को डॉक्टर और इंजीनियर चाहिए। लेकिन उससे पहले भारत को मानसिक रूप से सुरक्षित बच्चे चाहिए। सरकार को कॉकरोच से नहीं, उस घुन से डरना चाहिए जो शिक्षा व्यवस्था को भीतर से खा रहा है। क्योंकि अगर युवा पीढ़ी का भरोसा टूट गया तो सिर्फ परीक्षाएं नहीं टूटेंगी, देश का सामाजिक ताना-बाना भी टूटने लगेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है।

किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

05 अगस्त 2019 को जब संसद में गृहमन्त्री श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर राज्य में अनुच्छेद 370 के तहत लागू इसका विशेष दर्जा समाप्त करते हुए इसे दो केन्द्र प्रशासित राज्यों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में विभाजित किया था तो यह आश्वासन भी दिया था कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी। श्री शाह ने यह वादा संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा में विपक्ष की इस आलोचना के बाद दिया था कि स्वतन्त्र भारत के इतिहास में यह पहला मौका है कि जब भारतीय संघ के किसी प्रदेश का स्तर बजाये बढ़ाने के बजाये घटाया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों नेशनल कान्फ्रेंस व पी.डी.पी. के साथ मिलकर मोदी सरकार को घेरा था खास कर राज्यसभा में पूर्व गृहमन्त्री श्री पी. चिदम्बरम ने श्री शाह की तीखी आलोचना की थी और कहा था कि मोदी सरकार के इस कार्य को देश की जनता सामान्य ढंग से नहीं देखेगी क्योंकि आजाद भारत में किसी भी राज्य का दर्जा पहली बार घटाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान से लगे होने की वजह से इस राज्य के लोगों को जो विशेषाधिकार इसके भारतीय संघ में विलय होने के बाद दिये गये थे उन्हें वापस ले लिया गया है और पूर्ण राज्य का दर्जा भी समाप्त कर दिया गया है। कुल मिला कर कांग्रेस पार्टी 370 हटाये जाने के भी विरुद्ध थी। परन्तु राज्यसभा में 2019 में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की कम संख्या होने के बावजूद सरकार को संविधान संशोधन हेतु आवश्यक बहुमत प्राप्त हो गया था क्योंकि विपक्षी पार्टियों ने भी इस मुद्दे पर सरकार का साथ दिया था। इस प्रकार हम देखते हैं कि 370 हटाने के मुद्दे पर बाद में कांग्रेस पार्टी के भीतर से भी इसके पक्ष में आवाज उठने लगी और एक प्रकार से भारत में कुछ क्षेत्रीय दलों को छोड़कर इस मुद्दे पर सर्वसम्मति जैसी हो गई। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय भी गया जहां से फैसला भी सरकार के पक्ष में आया। इस तरह जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के मामले में पूरा भारत एक नजर आया परन्तु इस राज्य का दर्जा क्षेत्रफल कम करने के साथ ही इसका दर्जा कम करने के मुद्दे पर भारत के लोगों की राय शुरू से ही सरकार के मत से अलग थी। इस हकीकत को गृहमन्त्री श्री शाह भी जानते थे अतः उन्होंने संसद के पटल पर ही वादा किया कि वह उचित समय आने पर जम्मू-कश्मीर का दर्जा पूर्ण राज्य का कर देंगे। इस वाकये को अब छह साल होने जा रहे हैं और इस बीच इस अर्ध राज्य में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हो चुके हैं। इस दौरान पंचायत चुनाव से लेकर स्थानीय निकायों के चुनाव हो चुके हैं और राज्य की सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के चुनाव भी हो चुके हैं। तदनुरूप प्रदेश में राज्यपाल के स्थान पर उपराज्यपाल की नियुक्ति बहुत पहले से ही चल रही है।

2024 में हुए विधानसभा चुनावों में राज्य में फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ा जिसमें उसे पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। अतः श्री फारूक के पुत्र व पूर्व मुख्यमन्त्री श्री उमर अब्दुल्ला राज्य के नये मुख्यमन्त्री बने। कांग्रेस ने उनके मन्त्रिमंडल में शामिल होने से इस वजह से इनकार कर दिया कि जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य नहीं है। अतः वह तब तक मन्त्रिमंडल में शामिल नहीं होगी जब तक कि इसे पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता है। श्री उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमन्त्री बनते ही यह मांग करनी शुरू कर दी कि जम्मू-कश्मीर को संघ के अन्य राज्यों की मानिन्द ही बराबर के अधिकार दिये जायें। उनकी पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस के अलावा विपक्षी पार्टी पीडीपी व कांग्रेस भी इस मांग के समर्थन में पूर्णतः हैं। वैसे भाजपा भी इसका विरोध नहीं कर रही है मगर यह कह रही है कि परिस्थितियों के सर्वथा अनुकूल होने के बाद केन्द्र सरकार प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दे देगी। परन्तु पिछले कुछ दिनों से उमर अब्दुल्ला की नेशनल कान्फ्रेंस पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे हुए हैं। इसके समानान्तर उमर अब्दुल्ला ने केन्द्र पर आरोप लगाया है कि वह उनकी सरकार को पलट देना चाहता है। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि पूर्ण राज्य के दर्जे के मामले पर अब केन्द्र व राज्य के बीच ठन गई है।

श्री अब्दुल्ला कह रहे हैं कि वह 2024 से मुख्यमन्त्री बनने के बाद से ही यह मांग पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं मगर केन्द्र के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। इससे पहले जब 2024 में सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के लिए चुनाव होने थे तो शुरू में राज्य के क्षेत्रीय दल इनका बायकाट करने का रुख दिखा रहे थे मगर उस समय नेशनल कान्फ्रेंस ने चुनावों में भाग लेने की घोषणा करके भारतीय संविधान व राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण का परिचय दिया था। लेकिन अब उमर अब्दुल्ला कह रहे हैं कि वह अपनी पूर्ण राज्य की मांग को लेकर क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने जायें अथवा राष्ट्र संघ से गुहार लगायें? उनका यह कथन राष्ट्रहित में नहीं कहा जा सकता। इसके साथ ही श्री अब्दुल्ला यह भी कह रहे हैं कि 20 जुलाई से संसद का सावन सत्र (मानसून सत्र) शुरू हो रहा है अतः इस दौरान दिल्ली में हम अपने विरोध के कुछ नये तरीके भी ईजाद कर सकते हैं। असली सवाल यह है कि जब जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया ही जाना है तो इस बारे में केन्द्र व राज्य के बीच सहमति बनाकर क्यों न एक समयबद्ध कार्यक्रम तय किया जाये।

बात पते की

मासाब मारते नहीं, कुचरते थे

देव शंकर अवस्थी

बेंगलुरु से खबर आई कि एक आठवीं की छात्रा अपने टीचर की डांट से इतनी दुखित हुई कि उसने आत्महत्या कर ली। उसने सुसाइड नोट में लिखा कि वह टीचर की डांट सहन नहीं कर पाई। अब बताओ.. दुनिया कहां से कहां चली गई। शिक्षक क्लास में बच्चों को डांट भी नहीं सकते। .. और बच्चे भी इतने भावुक कि जान की परवाह नहीं की। हालांकि, शिक्षक और छात्र के बीच रिश्ते भी पहले जैसे नहीं रहे। शराब पीकर स्कूल जाने वाले सरकारी शिक्षकों के मामले बढ़े हैं, जबकि टीचर द्वारा बच्चों से मारपीट की घटनाएं भी सुनने मिलतीं हैं। यदि टीचर ने बच्चे को मार दिया तो अभिभावक लड़ने खड़े हो जाते हैं। कई मामलों में तो टीचर्स को पुलिस, कचहरी तक जाना पड़ा। .. और एक वो दिन थे, जब मासाब के दो-चार लपाड़े मारपीट की श्रेणी में नहीं आते थे। हाथों में दस-बीस रूल, छड़ी की बौछार, पीठ में अनगिनत टिल्ले, कान सुन्न कर देने वाले थप्पड़, बालों को पकड़कर पैरों में पड़ने वाले बेशरम और मेहंदी के बुदरा, घंटों तक मुर्गा, घुटनों के बल कंकड़ों में चलाना..आदि। इतनी सजा मात्र से छुटकारा नहीं मिलता था। पिताजी को स्कूल लेकर आने का मतलब, फिर डांट-डपट और दो-चार तमाचे। कुछ मासाब तो केवल पीटने के लिए बने थे। वे पढ़ाते कम, पीटते ज्यादा रहे। मासाब अगर अचानक सामने आकर खड़े हो जाएं तो डर के मारे रोंगटों में सरसराहट हो जाए। भले ही घर में उतना किसी का डर ना हो लेकिन मासाब के नाम का भय रहता था। उस दौर में जो भी, जितना भी पढ़े, बिना कोचिंग, बिना गाड़ी, एक जोड़ी ड्रेस के अलावा मासाब की डांट-मार, समझाइश और उनके कक्षा में पढ़ाने मात्र से पढ़ते चले गए। निस्वार्थ भाव से चली मासाब की छड़ी ने शिक्षा, संस्कार, मर्यादा और अनुशासन का खूब पाठ पढ़ाया। जैसे-जैसे मासाब की छड़ी की आवाज धीमी होती गई, संस्कार, मर्यादा और अनुशासन के मायने कागजी होते गए। दौलत की बदौलत खरीदी शिक्षा ने ऊंचाइयां तो बहुत दीं लेकिन मानवता का ककहरा पढ़ाने वाली इबारत कहीं पीछे छूटती चली गई।

पुलिस का मारा..एसआई बेचारा

छतरपुर सिविल लाइन थाने का एक मामला काफी चर्चित रहा, जिसमें इसी थाने के एसआई के परिवार ने थाने में धरना दे दिया। घटना के अनुसार इसी थाने में पदस्थ एसआई की जब रिपोर्ट नहीं लिखी गई तो उसे धरना देकर न्याय की गुहार लगानी पड़ी। घटना कुछ ऐसी रही कि एसआई के बेटे की उसी के थाना अंतर्गत सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस पर आरोप है कि उसने दुर्घटनाग्रस्त कार तो थाना में खड़ी कर ली लेकिन दुर्घटना करने वाले ट्रक को छोड़ दिया। इस मामले की शिकायत एसआई परिवार ने जनसुनवाई में की, फिर थाने में धरना दिया, तब कहीं एफआईआर लिखी गई। इस मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित पक्ष देर से आया इसलिए ट्रक छोड़ना पड़ा। बहरहाल, इस घटना के बाद यह चर्चा बहुत रही कि ऐसा कौन सा कारण था कि एसआई को भी धरने का सहारा लेना पड़ा।

... और अंत में

प्रेम परम पावन इस जग में, सींचो, सींचो, सींचो रे।
प्रेम से बड़ा न जग में दूजा, चारों पहर उलीचो रे।।

हितकारिणी विद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं कवि स्व. विष्णुप्रसाद पांडेय ने भी प्रेम की अदभुत व्याख्या की। प्रेम के बूते हर कुछ जीता जा सकता है। ऐसा ही मामला गुजरात, भावनगर के जंगल में सामने आया। पशुपालक कालूराम अपने मवेशियों को चारा डालने गया तो शेरनी ने हमला कर दिया। शेरनी ने कालूराम के हाथ को अपने जबड़े और पैरों को पंजों से जकड़ लिया। कालूराम बहुत चीखा-चिल्लाया, छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन शेरनी दबोचती ही गई। अंत में कालूराम ने दूसरे हाथ से शेरनी के सिर को सहलाना शुरू कर दिया। दस मिनट तक वह सहलाता ही रहा। ..और अंत में जो हुआ, वह आश्चर्यजनक था। शेरनी ने अपनी पकड़ ढीली की और कालूराम को छोड़कर जंगल में भाग गई।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

योगेंद्र योगी

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में

हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या-क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था। गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, रायस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है। ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता तो अब तक देश में तूफान आ जाता, विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता।

मेरी तो पूरी दुनिया ही उजड़ गई..., केतन की मां राखी अग्रवाल ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

पुणे

महाराष्ट्र के पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में उनकी मां राखी अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर बेटे को न्याय दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि वह किसी सहानुभूति या विशेष रियायत की नहीं, बल्कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रही हैं। प्रधानमंत्री को ई-मेल के जरिए भेजे गए भावुक पत्र में राखी अग्रवाल ने लिखा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें अपने ही बेटे के लिए न्याय मांगने की नौबत आएगी। उन्होंने लिखा, ''हर मां की तरह मेरा भी सपना था कि केतन अपनी जिंदगी खुशी से जिए, शादी करे और हमारे साथ रहे लेकिन इसके बजाय मुझे अपने बेटे का अंतिम संस्कार करना पड़ा।''

राखी अग्रवाल ने पत्र में परिवार की एक और त्रासदी का जिक्र करते हुए कहा कि केतन की मौत के 20 दिन बाद उनके ससुर का भी निधन हो गया, क्योंकि वह अपने पोते को खोने का गम सहन नहीं कर सके। उन्होंने लिखा, ''मोदी जी, मैं सिर्फ एक मां हूं। मैं आपसे न सहानुभूति मांग रही हूं और न कोई विशेष रियायत। मैं केवल न्याय मांग रही हूं।''

केतन को सिर्फ एक केस फाइल बनकर मत रहने दीजिए

उन्होंने प्रधानमंत्री से मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा कि इस प्रकरण को गंभीरता से लिया जाए और बिना अनावश्यक देरी के दोषियों को सजा दिलाई जाए।

राखी ने लिखा, ''कृपया केतन को महज एक 'केस फाइल' बनकर मत रह जाने दीजिए। वह किसी का बेटा, किसी का पोता और किसी का भाई था, लेकिन मेरे लिए वह मेरी पूरी दुनिया था।'' उन्होंने कहा कि वह हर रात बेटे की तस्वीर देखकर उससे कहती हैं कि उसकी मां आज भी उसके लिए लड़ रही है। उन्होंने लिखा, ''मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं तुमसे कह सकूंगी कि तुम्हें न्याय मिल गया।''

केतन अग्रवाल केस- केतन अग्रवाल (26) की 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले के पास एक घाटी में गिरने से मौत हो गई थी। शुरुआत में पुलिस ने इस संदर्भ में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद की जांच में इसे सुनियोजित हत्या करार दिया।

इसके बाद पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार किया। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने साजिश के तहत लोहागढ़ किले की सैर के दौरान केतन को चट्टान से धक्का देकर उसकी हत्या की। पुलिस के अनुसार, जांच में डिजिटल साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य सबूत मिले हैं, जिनसे हत्या की पूर्व नियोजित साजिश का संकेत मिलता है। दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पहली बार किया सी-ड्रोन का इस्तेमाल, सबमरीन सेंटर पर बरसाए बम

वॉशिंगटन

अमेरिकी सेना ने ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव के सेंटर पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने सोमवार को बताया कि सेना ने रविवार को कई ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए इन ठिकानों पर हमले किए। सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कल CENTCOM की सेनाओं ने कई वन-वे अटैक ड्रोन का इस्तेमाल करके ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव की सुविधा पर सफलतापूर्वक हमला किया।

ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब अमेरिका और ईरान अपने पुराने रूप में वापस लौट आए हैं। एक तरफ जहां अमेरिका ईरान के ठिकानों पर हमले कर रहा है तो वहीं ईरान कतर, बहरीन, जॉर्डन और ओमान समेत मिडिल-ईस्ट के आस-पास के देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। अमेरिका ने ईरान के अहम बंदर अब्बास पोर्ट पर हमला किया। यह पहली बार था जब अमेरिकी सेना ने कॉम्बैट ऑपरेशन में समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल किया था। सेंट्रल कमांड ने कहा, पिछली रात के हमलों ने ईरान की कमर्शियल शिपिंग पर हमला जारी रखने की क्षमता को कम कर दिया है। यह घटना अमेरिकी सेना के उस बयान के कुछ घंटों बाद हुई है जिसमें उसने कहा था कि सोमवार को उसने दर्जनों ठिकानों पर हमले किए। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, रडार साइट, मिसाइल और ड्रोन उपकरण तथा छोटी नावें शामिल थीं। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा, हम होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जा कर रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के ईरानी दावों को खारिज करते हुए ट्रंप ने कहा, होर्मुज खुला है और हमेशा खुला रहेगा।

होर्मुज़ का हमेशा से रक्षक रहा ईरान, ट्रंप का 20 प्रतिशत टोल बहुत ज़्यादा : अराघची

तेहरान, (वार्ता)। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल के बयानों का जवाब देते हुए कहा है कि ईरान हमेशा से इस अहम अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग का सच्चा और वैध रक्षक रहा है तथा हमेशा रहेगा। श्री अराघची ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति बिल्कुल सही कह रहे हैं। जो कोई भी होर्मुज़ जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों के सुरक्षित और महफ़ूज़ गुज़रने की सुविधा देता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवज़ा मिलना चाहिये। उन्होंने आगे कहा, ईरान हमेशा से इस जलडमरूमध्य का रक्षक रहा है और हमेशा रहेगा। 20 प्रतिशत निश्चित रूप से बहुत ज़्यादा है।

जवाबी हमलों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना, रडार किये नष्ट : ईरान

तेहरान, (वार्ता)

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने मंगलवार को दावा किया कि उसने ईरान पर जारी अमेरिकी हमलों के जवाब में ताजा सैन्य कार्रवाई करते हुए बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों, राडार प्रणालियों और अन्य सैन्य परिसंपत्तियों को निशाना बनाया है।

आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने एक बयान में कहा कि ऑपरेशन %नस्र-2% के दूसरे चरण के तहत बहरीन में अमेरिकी सेना के कई हथियार भंडार, एक उपग्रह संचार केंद्र तथा अमेरिकी सैनिकों के आवासीय परिसर पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया गया। बयान के अनुसार, अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान के तटीय क्षेत्रों पर हमले के बाद आईआरजीसी नौसेना ने बहरीन स्थित अमेरिकी जुफैर नौसैनिक अड्डे को निशाना बनाया।

एक अन्य बयान में आईआरजीसी ने दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े से जुड़े पैट्रियट राडार, एयर कंट्रोल राडार और सी-रैम प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को नष्ट कर दिया गया। एक अन्य बयान में आईआरजीसी ने दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े से जुड़े पैट्रियट राडार, एयर कंट्रोल राडार और सी-रैम प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को नष्ट कर दिया गया। संगठन के अनुसार, हमलों में अमेरिकी बेड़े के ईंधन भंडार में भी आग लग गई तथा चालक रहित नौकाओं के नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।आईआरजीसी ने अलग बयान में कहा कि उसकी नौसेना ने ईरान द्वारा निर्धारित समुद्री नियमों का उल्लंघन करने वाले दो सुपरटैंकरों को भी निशाना बनाया। उसने कहा कि अमेरिकी सेना ने कुछ जहाजों को अवैध मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कराने का प्रयास किया था। इसी क्रम में दो सुपरटैंकरों ने अपने नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिये और होर्मुज समुद्री सुरक्षा नियंत्रण केंद्र की बार-बार दी गयी चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया।

आईआरजीसी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल होर्मुज जलडमरूमध्य में देश के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उसने चेतावनी दी कि क्षेत्र के बाहर से आए आक्रांताओं के साथ सहयोग करने वालों को केवल नुकसान, पछतावा, होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने में देरी और वैश्विक ऊर्जा संकट जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

जो सरकार गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा नहीं देती, उसे बदलने की जरुरत: शंकराचार्य

बहराइच, (वार्ता)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को गौ संरक्षण के मुद्दे पर अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हुए कहा कि जो सरकार गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा नहीं देती, उसे बदलने की आवश्यकता है। शंकराचार्य ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संत नहीं बल्कि राजनेता मानते हैं। उनका तर्क था कि संत का धर्म सत्ता में रहकर वेतन लेना नहीं होता, जबकि मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर रहते हुए सरकार से वेतन प्राप्त करते हैं। इसलिए उन्हें संत की बजाय राजनेता के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल राजनीतिक नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सरकार को गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बिना कहा कि यदि कोई दल गाय के नाम पर राजनीति करता है, लेकिन उसे राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने में असफल रहता है, तो जनता को ऐसे दलों से चुनाव में जवाब मांगना चाहिए।

शंकराचार्य ने कहा कि उनकी गौ संरक्षण एवं जनजागरण यात्रा का उद्देश्य समाज में गौ संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करना और सरकारों का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित करना है। इससे पूर्व पयागपुर पहुंचने पर नगर पंचायत अध्यक्ष बालेंद्र श्रीवास्तव उर्फ़ विपिन के नेतृत्व में शंकराचार्य का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बसंत सिंह, मलिक राम शर्मा, श्यामजी, इकौना के मसूद आलम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक एवं समर्थक उपस्थित रहे।

लाडली बहन योजना के नाम पर 62 लाख महिलाओं के साथ हुआ धोखा : कांग्रेस

नयी दिल्ली,(वार्ता)

कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार की लाडली बहन योजना को महिलाओं के साथ धोखा करार देते हुए आरोप लगाया है कि चुनाव से पहले शुरू की गई इस योजना से सरकार बनने के बाद 62 लाख महिलाओं को योजना से बाहर कर दिया गया है।

पार्टी ने इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि कैग की रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ है उससे गरीब और निराश्रित महिलाओं के साथ अन्याय हुआ है। पार्टी ने इसे महिलाओं के साथ धोखा बताया और कहा कि उनके अधिकारों को छीना गया है इसलिए पूरे प्रकरण की व्यापक जांच कर सभी पात्र महिलाओं को उनका अधिकार वापस देने की मांग की है।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार ने निराश्रित महिलाओं और गरीब परिवारों के साथ छल किया है। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि लाडली बहन योजना से 62 लाख महिलाओं को बाहर कर दिया गया है। उनका कहना था कि चुनाव के समय महिलाओं से 1,500 रुपये की सहायता को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का वादा किया गया और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर आवेदन भरवाए लेकिन सरकार बनने के बाद 62 लाख महिलाओं को योजना से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आधार कार्ड और पहचान के अन्य सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाओं को केवाईसी नहीं होने का बहाना कर योजना से बाहर किया गया है। उनका कहना था कि सरकार इस प्रक्रिया को आधार बनाकर महिलाओं को उनका अधिकार देने से पीछे हट रही है, जो उनके साथ विश्वासघात है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को अपने नियंत्रण में कर लिया है तथा धर्म और आस्था का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को 62 लाख महिलाओं को तत्काल योजना का लाभ बहाल करना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि सरकार के निर्देश के बिना अधिकारी इतना बड़ा फैसला नहीं ले सकते इसलिए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ी चोरी हर हाल में खत्म हो: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने वन विभाग और पुलिस को राज्य में अवैध आरा मिलों और लकड़ी तस्करों के खिलाफ एक बड़ा और संयुक्त अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि पेड़ों की अवैध कटाई और संगठित लकड़ी चोरी को हर हाल में खत्म किया जाए। इसके लिए उन्होंने वन कर्मियों की कमी को दूर करने और पुलिस भर्ती बोर्ड के जरिए जल्द नई भर्तियां करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सेंट्रल पार्क से 14 से 20 जुलाई तक चलने वाले अरण्य सप्ताह (वन सप्ताह) 2026 की शुरुआत की। इस दौरान राष्ट्रीय अभियान %एक पेड़ मां के नाम के तहत राज्य में 1.10 करोड़ पौधे लगाने और उन्हें पालने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का अंतिम उद्देश्य इस साल अलग-अलग सरकारी एजेंसियों, उद्योगों और जनता के सहयोग से कुल 10 करोड़ पेड़ लगाने का है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के झारग्राम, पुरुलिया, बांकुड़ा और डुआर्स जैसे क्षेत्रों में तेजी से घटते वन क्षेत्र पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रोपे गए पौधों को केवल लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने जंगलमहल जैसे क्षेत्रों में मानव-हाथी संघर्ष को कम करने और वन्यजीवों व मानव जीवन दोनों की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की बात कही।

पिछली सरकार पर वन विभाग की अनदेखी का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ओडिशा और छत्तीसगढ़ के वन विभागों के कामकाज का अध्ययन करने और उनके अच्छे तौर-तरीकों को अपनाने की सलाह दी। इसके अलावा, बिजली गिरने के असर को कम करने के लिए संवेदनशील इलाकों में नारियल के पेड़ बांटने और रथ यात्रा के प्रमुख स्थलों पर फलदार पौधे वितरित करने का निर्देश दिया गया है।

इस बड़े पौधरोपण अभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग ने कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। इसके तहत श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट कोलकाता अपनी जमीन पर छह लाख पौधे लगाएगा, जबकि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन पूर्वी मेदिनीपुर में बड़े पैमाने पर मैंग्रोव पर ध्यान देगी। कई अन्य संस्थाएं भी विभिन्न जिलों में पौधरोपण अभियान में सहयोग करेंगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कुब्रा सैत ने शुरू किया स्टैंड-अप कॉमेडी का सफर, अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है।कुब्रा सैत ने लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है , जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि 'सेक्रेड गेम्स', 'जवानी जानेमन', 'फाउंडेशन' और कई अन्य फिल्मों एवं सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब 'ओपन बुक~ नॉट क्वाइट अ मेमोयर' की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।कुब्रा ने इंस्टाग्राम पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है। कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है।

सैयामी खेर पर फिल्माए जाने वाले खास गाने को अपनी आवाज़ देंगी श्रेया घोषाल

अभिनेत्री सैयामी खेर ने हाल ही में मशहूर पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल के साथ एक खास पल साझा किया। यह मुलाकात निर्देशक विक्रम फडनीस की आगामी अनटाइटल्ड फिल्म के एक महत्वपूर्ण गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान हुई। सैयामी रिकॉर्डिंग स्टूडियो पहुंचीं, जहां श्रेया इस फिल्म के एक अहम गीत को अपनी आवाज़ दे रही थीं। इस खास मुलाकात ने फिल्म के संगीत से जुड़ी एक खूबसूरत झलक भी दर्शकों के सामने रखी। माना जा रहा है कि यह गीत फिल्म की कहानी का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। अपनी खुशी जाहिर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, मैं हमेशा से श्रेया की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उन्हें अपना दोस्त भी मानती हूं। मुझे लगता है कि हर अभिनेता चाहता है कि उसकी फिल्मोग्राफी में श्रेया घोषाल की आवाज़ वाला एक गाना जरूर हो। उन्हें अपनी जादुई आवाज़ से इस गीत को जीवंत बनाते हुए देखना मेरे लिए बेहद खास और यादगार अनुभव रहा। फिल्म के निर्देशक विक्रम फडनीस ने बताया कि इस गाने के लिए शुरू से ही श्रेया घोषाल उनकी पहली पसंद थीं। उन्होंने कहा, जब जावेद साहब ने इस गीत के बोल लिखे और हिमेश ने इसकी धुन तैयार की, तो हम सभी ने एकमत से श्रेया घोषाल का नाम चुना। इस गाने को ऐसी आवाज़ की जरूरत थी जो सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचे और हमें लगा कि श्रेया से बेहतर इसके लिए कोई नहीं हो सकता। हमें खुशी है कि हमने उनका इंतजार किया, क्योंकि उन्होंने इस गीत में जो जादू भरा है, उससे हर कोई जुड़ाव महसूस करेगा। फिलहाल फिल्म के नाम और कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन श्रेया घोषाल के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

उड़ने की आशा के सात साल के लीप के साथ शुरू होगा सायली का नया सफर : नेहा हरसोरा

स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक %उड़ने की आशा% में सात साल के लीप के साथ कहानी नया मोड़ लेने जा रही है। अभिनेत्री नेहा हरसोरा का कहना है कि शो का यह नया अध्याय भावनाओं से भरपूर है और दर्शकों को सायली का बिल्कुल नया रूप देखने को मिलेगा।शो में सायली और रोशनी की प्रेग्नेंसी के दौरान एक मेडिकल इमरजेंसी के कारण जन्म के समय बच्चों की अदला-बदली हो जाती है। सायली और सचिन को अपना बच्चा मृत होने का विश्वास हो जाता है, जबकि उनका बेटा जीवित रहता है और रोशनी तथा तेजस उसे अपना बेटा बनाकर पालते हैं। सात साल बाद सायली और सचिन अपनी बेटी पूर्णा के साथ गणपतिपुले में नई जिंदगी बसा चुके हैं, लेकिन पुराने राज और छिपे सच एक बार फिर सामने आने लगते हैं।नेहा हरसोरा ने कहा, जब मैंने पहली बार इस लीप के बारे में सुना तो मैं भावुक हो गई। इससे एहसास हुआ कि जिंदगी कितनी अनिश्चित होती है। हम अपनी जिंदगी के लिए योजनाएं बनाते हैं, लेकिन कई बार किस्मत कुछ और ही तय कर चुकी होती है।उन्होंने कहा, हर कलाकार अपने किरदार के नए सफर का इंतजार करता है। सायली की कहानी पढ़ते हुए मैं बार-बार सोचती रही कि उसने जिंदगी में इतना कुछ सहने के बाद भी आगे बढ़ने की ताकत कैसे जुटाई। कई दृश्य ऐसे थे, जिनकी भावनाएं कैमरा बंद होने के बाद भी मेरे साथ बनी रहीं। नेहा ने कहा, सेट पर बच्चों के साथ काम करना मुझे अपना बचपन याद दिलाता है। उनकी मस्ती और शरारतें मेरे बचपन की खूबसूरत यादों को ताजा कर देती हैं। यह नया ट्रैक भावनाओं और अप्रत्याशित घटनाओं से भरा है तथा दर्शकों को सायली का एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जनता की सेवा ही मेरा धर्म : उदय प्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा और सुशासन की नीति को जमीन पर उतारते हुए क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने विगत दिवस सेवा सदन, लक्ष्मी टाउनशिप में आम जनता से सीधा संवाद किया। मंत्री जी ने जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं विधानसभा क्षेत्र से आए गणमान्य नागरिकों की समस्याएं सुनीं और भाजपा सरकार की संवेदनशील सोच के अनुरूप मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए।

सेवा सदन में आयोजित इस सौजन्य भेंट में विधानसभा क्षेत्र के नागरिको से मंत्री श्री सिंह ने मुलाकात कर उनके आवेदन पत्रों को गंभीरता से देखा ओर उन्होंने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर

समय-सीमा में निराकरण के सख्त निर्देश दिए।

जनता से संवाद करते हुए स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि गाडरवारा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास कर मुझे सेवा का अवसर दिया है। यह मेरे लिए गर्व की बात है। जनता की सेवा करना मेरा धर्म है और गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र का चहुमुखी विकास कराना मेरा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। इसी संकल्प के साथ हम क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। उन्होंने भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुननी हैं और उनका समाधान कराना है। सेवा ही संगठन के मूल मंत्र के साथ काम करने से ही भाजपा जनता की पहली पसंद बनी है । इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद सदस्य, पार्षद, मंडल अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। सेवा सदन में आम जनता हो रहे संवाद भाजपा सरकार की संवाद से समाधान की नीति का उदाहरण बना। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह के जनसंवाद जनता से जारी रहेंगे, ताकि गाडरवारा को प्रदेश का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाया जा सके।

खाद्य सुरक्षा पर सख्ती करेली के बरमान में 34 नमूनों की जांच

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संभागीय चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कविता राठौर द्वारा करेली तहसील के ग्राम बरमान में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्याम स्वीट्स सहित विभिन्न मिठाई दुकानों, दूध डेयरियों एवं अन्य 8 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान जलेबी, टमाटर चटनी, मिर्च पाउडर, स्प्राइट, माजा, दूध, दही, पनीर, पेड़ा, बर्फी एवं मगज के लड्डू सहित कुल 34 खाद्य नमूनों को मौके पर संग्रहीत कर उनका प्राथमिक परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त दूध एवं दही के नमूने विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। निरीक्षण के दौरान सभी खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सामग्री ढंककर रखने, स्वच्छता बनाए रखने एवं गुणवत्ता युक्त सामग्री विक्रय करने के निर्देश दिए गए।

सांगई में पीएम पोषण का सामाजिक अंकेक्षण संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस समीपी ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत पीएम पोषण योजना के सामाजिक अंकेक्षण का कार्य संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जनपद पंचायत साईखेड़ा से श्रीमती शिववती अहिरवार ने निरीक्षण के दौरान माता रोस्टर रजिस्टर, एमडीएम अभिलेख, प्रतिदिन भेजे जाने वाले एसएमएस संबंधी रजिस्टर, भोजन का नमूना, किचन-स्टोर की व्यवस्था, दीवार पर अंकित मेनू, समूह से संबंधित अनुबंध एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन किया । साथ ही विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन व्यवस्था एवं उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक अंकेक्षण के द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्रामवासियों एवं स्वसहायता समूहों की उपस्थिति में व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा भी की। इस अवसर पर स्व सहायता

समूह से चतुर केवट, राजू केवट, भगवानदास केवट सहित प्रधानपाठक दशरथ प्रसाद जाटव, शिक्षक मधुसूदन पटैल, विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर एवं अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव के अलावा छात्र छात्रायें उपस्थित रहे

प्रभारी मंत्री 16 को जिले के दौरे पर रहेंगे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत गुरूवार 16 जुलाई 2026 को जिले के दौरे पर रहेंगे। यहां सांईखेड़ा में नवनिर्मित शासकीय सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत गुरूवार 16 जुलाई को दोपहर 1 बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे जिले के साईखेड़ा आएंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बदली तालाब की तस्वीर

बना जल संरक्षण का सशक्त उदाहरण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिले के सांईखेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत दहलवाड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण किया गया। अभियान के तहत तालाब की सफाई, गहरीकरण, तटों का सुदृढ़ीकरण एवं आवश्यक संरचनात्मक कार्य कर इसे पुनर्जीवित किया गया। आज यह तालाब वर्षा जल के बेहतर संचयन, भूजल स्तर में वृद्धि, सिंचाई सुविधा तथा ग्रामीणों के लिए उपयोगी जल स्त्रोत के रूप में नई पहचान बना रहा है। यह परिवर्तन सामुदायिक सहभागिता और प्रशासन के समन्वित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान जिले में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से जल संरचनाओं का निर्माण, तालाब व खेत-तालाब, कंटूर ट्रेंच, सोक पिट, स्टाप डेम आदि के कार्य किए गए थे। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वैच्छिक संगठनों, मप्र जनअभियान परिषद की संस्थाओं और नागरिकों ने बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता दी।

मध्यान्ह भोजन व्यवस्था में बढ़ी पारदर्शिता और जवाबदेही

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत जिले में संचालित मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामाजिक अंकेक्षण का कार्य किया जा रहा है। जिले की 1195 शासकीय प्राथमिक एवं 493 शासकीय माध्यमिक शालाओं में योजना के तहत नियमित रूप से मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासन के निर्देशानुसार पीएम पोषण एप पर चिन्हांकित प्रत्येक जनपद पंचायत की 07-07 शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण एप आधारित प्रक्रिया के माध्यम से पूर्ण किया गया। अंकेक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, रसोईघर (किचिन शेड) एवं आवश्यक बर्तनों की उपलब्धता, खाद्यान्न का भंडारण, रसोइयों को मानदेय भुगतान, भोजन लागत राशि, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, भोजन के नमूनों का संधारण, माता रोस्टर, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, निरीक्षण पंजी तथा किचिन शेड की दीवारों पर मेन्यू लेखन सहित विभिन्न बिंदुओं का गहन परीक्षण किया गया। सामाजिक अंकेक्षण में यह पाया गया कि शालाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को शासन की मंशानुरूप नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के तहत प्राथमिक स्तर पर प्रति छात्र प्रति शैक्षणिक दिवस 100 ग्राम गेहूं/चावल एवं 6.78 रुपये तथा माध्यमिक स्तर पर 150 ग्राम गेहूं/चावल एवं 10.17 रुपये की भोजन लागत निर्धारित है। शालाओं से संबद्ध स्व-सहायता समूहों को खाद्यान्न एवं निर्धारित राशि का नियमित वितरण किया जा रहा है। वहीं मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को 4,000 रुपये प्रतिमाह की दर से मानदेय का भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिला समन्वयक सामाजिक अंकेक्षण श्री विपिन लाड ने बताया कि 14 एवं 15 जुलाई 2026 को जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 07-07 शालाओं, अर्थात कुल 42 प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं तथा उनसे संबद्ध स्व-सहायता समूहों का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं की औसत उपस्थिति, भोजन लागत राशि के आय-व्यय, खाद्यान्न के प्राप्ति एवं उपयोग तथा अभिलेखों का भौतिक सत्यापन कर उनका मिलान किया गया। उन्होंने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण की इस प्रक्रिया से योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता नियंत्रण को और अधिक मजबूती मिली है। साथ ही विद्यालयों एवं स्व-सहायता समूहों को आवश्यक सुधार संबंधी सुझाव भी दिए गए, जिससे भविष्य में विद्यार्थियों को और बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

एक माह में अनिवार्य पंजीयन कराएं प्री-स्कूल संचालक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशों के पालन में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में संचालित समस्त प्री-स्कूल, प्ले स्कूल, नर्सरी एवं किंडर गार्डन संचालकों को एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार पंजीयन प्रक्रिया दो चरणों में पूर्ण की जाएगी। प्रथम चरण में संस्था का पंजीयन तथा द्वितीय चरण में प्री-स्कूल का पंजीयन किया जाना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया विभागीय पोर्टल पर की जाएगी। पंजीयन के लिए एक हजार रुपये पंजीयन शुल्क और 60 रुपये पोर्टल संधारण शुल्क का भुगतान के माध्यम से किया जाना होगा। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्पष्ट किया है कि बिना विभागीय अनुमति के संचालित पाए जाने वाले प्री-स्कूलों पर पेनाल्टी लगाई जाएगी। साथ ही नियमों के उल्लंघन की स्थिति में पंजीयन निरस्त कर वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। अतः सभी प्री-स्कूल संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सीमा में अपना पंजीयन पूर्ण कर लें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय कलेक्टर के कक्ष क्रमांक 77 में स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग में और जिला समन्वयक पोषण अभियान (पोषण भी-पढ़ाई भी) के मोबाइल नंबर 9827111902 अथवा टेलीफोन नंबर 07792-230512 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर ने कहा- जिले को नशामुक्त बनाने समन्वित अभियान चलाएं

बैठक में पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी विभागों को दिए निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशीले पदार्थों की रोकथाम, जनजागरूकता, उपचार एवं पुनर्वास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि नशे के विरुद्ध केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जनजागरूकता, काउंसलिंग और पुनर्वास पर भी समान रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, राजस्व, वन, खेल एवं अन्य विभागों को समन्वित रूप से अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थानों तथा स्कूल-कॉलेजों के आसपास तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर सख्त निगरानी रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग को विद्यालयों और महाविद्यालयों में नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम, वीडियो प्रदर्शन, संवाद एवं परामर्श सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए लगातार जागरूक करना आवश्यक है। बैठक में नशीले पदार्थों के संबंध में प्राप्त होने वाली सूचनाओं

पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। नागरिकों से अपील की गई कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों की बिक्री, भंडारण या अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम एवं पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे लोग बिना किसी भय के प्रशासन का सहयोग कर सकें। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी यह अभियान पूरी गंभीरता से जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों से नशे के विरुद्ध अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। बैठक में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया।

नशे की लत से प्रभावित लोगों को काउंसलिंग एवं पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नशा छोड़कर सामान्य जीवन में लौटे लोगों की प्रेरक कहानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी सहमति बनी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से सतत कार्रवाई, जनजागरूकता और पुनर्वास के माध्यम से नशामुक्त नरसिंहपुर के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रभावी अभियान चलाएंगे।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए आज लगने वाले शिविर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 15 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 15 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के शहीद भगतसिंह वार्ड व माता वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के तिलक वार्ड व मुशरान वार्ड, नगर पालिका करेली के राजेन्द्र वार्ड व राम वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के नेहरू वार्ड व पटेल वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 महाराणा प्रताप वार्ड व वार्ड क्रमांक 12 महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड, नगर परिषद चीचली, सालीचौका एवं सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 व 12 में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 15 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत इमलिया, जनौर, जौहरिया, जोवा व कंधरापुर, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत धुवघटगौड़ी, डोकरघाट, डोंगरगांव-अंडिया, डोंगरगांव-नर्मदा व डांगीढाना, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत गांगई, ग्वारी, हीरापुर, इमलिया (ब.) व इमलिया (कल्याणपुर), जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत देवरीकलां, दौन, गाडरवारा खेड़ा, गर्रा व गोहचर, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत झांझनखेड़ा, झिरियामाता, झिकोली, कजरोटा व कामती और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत चिर्रिया, देवरी, ढाडिया, ढिलवार व ढिगसरा में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

स्कूलों में अफसरों की अचानक दस्तक

पढ़ाई से लेकर मिड-डे मील तक की हुई पड़ताल

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला और जनपद स्तर के अधिकारियों ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया। अधिकारियों ने अलग-अलग विकासखंडों के स्कूलों में पहुंचकर कक्षाओं का संचालन, शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की पढ़ाई, मिड-डे मील, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने हाईस्कूल चाका और कुठला का निरीक्षण किया। उन्होंने 'हमारे शिक्षक' ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति देखी और विद्यार्थियों से पढ़ाई के संबंध में बातचीत कर शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिड-डे मील का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता जांची, रसोई और स्टोर रूम का निरीक्षण किया तथा खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता का परीक्षण किया।

स्कूल परिसर में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। वहीं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने भी अपने-अपने विकासखंडों के कई प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थिति पंजी, कक्षाओं का संचालन, मिड-डे मील की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय, खेलकूद गतिविधियां तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली और शिक्षकों को गुणवत्ता सुधार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी देखा गया कि स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार समय पर भोजन तैयार किया जा रहा है या नहीं।

जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता महसूस हुई, वहां संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन का कहना है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

नाइट्रावेट गोलियों के साथ आदतन अपराधी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने नशे में इस्तेमाल होने वाली नाइट्रावेट गोलियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से नाइट्रावेट आईपी 10 मिलीग्राम की सात पत्तियां जब्त की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 315 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कैलवारा खुर्द रोड के किनारे एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है और नशीली गोलियों का सेवन करता है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखकर युवक भागने लगाए लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अभिषेक दुबे (19 वर्ष), निवासी प्रजापति मोहल्ला, नदीपार, कैलवारा रोड, थाना कोतवाली बताया। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसकी जेब और कमर से नाइट्रावेट गोलियों की सात पत्तियां बरामद हुईं। पुलिस द्वारा वैध चिकित्सकीय दस्तावेज मांगने पर आरोपी कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने गोलियां नशे के उद्देश्य से अपने पास रखना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 769/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम एवं मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार युवक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ थाना कोतवाली एवं कुठला में मारपीट और चोरी के तीन प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया

विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने ली शपथ

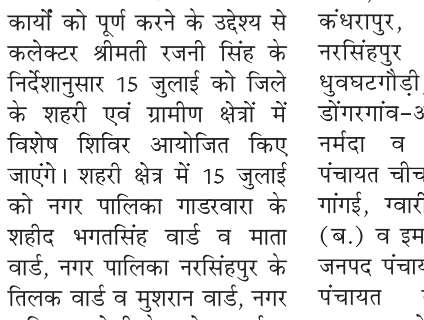

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने एवं समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर द्वारा जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग के कला पथक दल द्वारा नरसिंह पब्लिक स्कूल और भटिया टोला में नशा मुक्ति विषयक संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अंशुल सोनी, आत्मज श्री रामजी भाई सोनी, निवासी रामवार्ड, आनंद नगर कॉलोनी, कंदेली तहसील एवं जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) के बालक का जन्म दिनांक 05.10.2024 को नीखरा हॉस्पिटल, नरसिंहपुर में हुआ था। नगर पालिका परिषद, नरसिंहपुर द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र में बालक का नाम तनिष्क सोनी, पिता का नाम अंशुल सोनी एवं माता का नाम पूर्वी अवधिया दर्ज है।

नामकरण उपरांत बालक का विधिवत नाम आराध्य सोनी (Aradhy Soni) रखा गया है। साथ ही जन्म प्रमाणपत्र में माता का नाम पूर्वी अवधिया के स्थान पर पूर्वी सोनी दर्ज कराया जाना प्रस्तावित है। उक्त संशोधन हेतु संबंधित कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

शपथकर्ता अंशुल सोनी

भोपाल में होगा कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, साइक्लोथॉन के समापन कार्यक्रम को सफल बनाने रणनीति तैयार

संगठन ने युवाओं के मुद्दों पर फोकस किया

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिला कांग्रेस कार्यालय में शहर कांग्रेस अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला की अध्यक्षता में कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई द्वारा आयोजित इंदौर से भोपाल त्रश्वह्–' साइक्लोथॉन के समापन समारोह एवं आमसभा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों एवं कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाग लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की तथा अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई। बैठक को संबोधित करते हुए एड. अमित शुक्ला ने कहा कि त्रश्वह्–' साइक्लोथॉन केवल एक साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि युवाओं के बेहतर भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और जनजागरण का सशक्त अभियान है। कांग्रेस सदैव युवाओं की आवाज़ को बुलंद करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है। इसी उद्देश्य से कटनी शहर कांग्रेस पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ इस अभियान में सहभागिता निभाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला के नेतृत्व में कटनी से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता, विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी भोपाल के लिए रवाना होंगे, जहां वे कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई द्वारा आयोजित इंदौर से भोपाल त्रश्वह्–' साइक्लोथॉन के समापन समारोह में शामिल होंगे। इसके उपरांत आयोजित विशाल आमसभा में भी सहभागिता कर युवाओं के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार एवं जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस के विचारों एवं संकल्प को मजबूती प्रदान करेंगे। प्रदेशभर से आने वाले हजारों कार्यकर्ताओं एवं युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में कटनी जिला कांग्रेस की प्रभावी एवं गरिमामयी सहभागिता रहेगी। बैठक में सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ भोपाल पहुंचने का आह्वान किया गया, ताकि कटनी की मजबूत एवं प्रभावशाली उपस्थिति के माध्यम से संगठन की एकजुटता एवं युवाओं के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता का संदेश पूरे प्रदेश में पहुंचे। बैठक में प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जाटव, उपाध्यक्ष अजय कोल, विजय मंगल चौधरी, जार्ज डेविड, राजमणि तिवारी, रमेश अहिरवार, शरद पाल सिंह, हितेन्द्र स्वर्णकार, श्याम यादव, मुकेश मिश्रा, अशोक मौर्य, संजय गुप्ता, दिग्विजय सिंह एवं हर्षित मिश्रा सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फोटो: विकास गुप्ता

अखंड ज्योति प्रज्वलन के साथ झूलेलाल चालीहां महोत्सव का शुभारंभ

40 दिन तक होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)। भगवान श्री झूलेलाल चालीहां महोत्सव प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सिंधी समाज द्वारा अपार उत्साह एवं हर्ष के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज मंगलवार 14 जुलाई से झूलेलाल चालीहां महोत्सव समिति द्वारा गुरूनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह 11 बजे झूलेलाल मंदिर में गणमान्य नागरिकों तथा श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पंडित दिनेश शर्मा द्वारा पूज्य बहराणे साहिब की पूजा अर्चना, पल्लव आरती व भजन कीर्तन के साथ भगवान श्री झूलेलाल जी की अखंड ज्योति प्रज्वलित करने के साथ ही व्रतधारियों का संकल्प बंधन से व्रतों की शुरूआत के साथ चालीहां महोत्सव का विधि विधान के साथ शुभारंभ किया गया। समाज सेवी संजय खूबचंदानी ने बताया कि चालिहा महोत्सव धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ बल्कि करुणा, मानव सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला उत्सव है इस अवसर पर मंदिर मैं गीत संगीत का आयोजन किया गय एवं जानकारी देते हुए बताया गया कि इस 40 दिवसीय चालीहां महोत्सव में प्रतिदिन दिन बंधु भंडारा व धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम व सुबह शाम भजन कीर्तन, आरती, पल्लव आदि कार्यक्रम संपन्न होंगे। झूलेलाल चालीहां महोत्सव के शुभारंभ पर सर्व त्रिलोकचंद्र भोजवानी, मोहन बत्रा, महेश बहलानी, अमर चेतवानी, नेवंद खूबचंदानी, हरीश बहलानी, अशोक आहूजा, नानकराम खूबचंदानी, सुरेश गांधी, पंकज आहुजा, राजकुमार खियानी पा. गोविंद चावला, सुभाष गेलानी, सतराम सुंदरानी, संजय खूबचंदानी, बलराम हासानी, अशोक बजाज, कालू तनवानी, अजीत केसवानी, कमल हसिजा, रौनक खूबचंदानी, पंडित जुगल किशोर पांडे, अमृत तनवानी, हरीश भोजवानी, बालचंद तनवानी, महेश रावलानी एवं अनेक गणमान्य व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास एवं बलवा के प्रकरण में फरार आदतन अपराधी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनव विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कुठला संजय दुबे के नेतृत्व में थाना माधवनगर पुलिस को हत्या के प्रयास एवं बलवा के गंभीर प्रकरण में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 05 जुलाई को फरियादी मुकेश कुमार गुप्ता निवासी बाल गंगाधर तिलक वार्ड, पन्ना मोड़ द्वारा थाना कुठला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि काली माता मंदिर के सामने स्थित उसके स्वामित्व एवं कब्जे वाले प्लॉट पर कुछ व्यक्तियों द्वारा जेसीबी से बाउंड्रीवाल तोड़ी जा रही थी। विरोध करने पर आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर फरियादी, उसके भाई एवं चालक के साथ लाठी-डंडों एवं अन्य घातक हथियारों से मारपीट की। इसी दौरान आरोपी आरमान उर्फ निशु द्विवेदी ने फरियादी के भाई पर रिवॉल्वर तानकर फायर करने का प्रयास किया, जो मिसफायर हो गया। आरोपियों ने वाहन में तोड़फोड़ कर जान से मारने की धमकी भी दी। उक्त घटना पर थाना माधवनगर में अपराध क्रमांक 606/2026 अंतर्गत धारा 191(2), 191(3), 296(बी), 115(2), 351(2), 119(2), 109(१), 324(४), 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान फरार चल रहे आदतन अपराधी आरमान उर्फ निशु द्विवेदी, पिता अरुण द्विवेदी, उम्र 30 वर्ष, निवासी पन्ना मोड़, सत्संग नगर, थाना कुठला, जिला कटनी की लगातार तलाश की जा रही थी। मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर थाना माधवनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश एवं वैधानिक कार्यवाही जारी है। कटनी पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

फोटो: विकास गुप्ता

तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में सायना का परचम

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सायना इंटरनेशनल स्कूल कटनी के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में अपना परचम तो लहराते ही हैं साथ ही खेल गतिविधियों में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान निरंतर स्थापित कर रहे हैं। इस कड़ी में विगत दिवस मार्शल आटर्स गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित कराते प्रतियोगिता में सायना के छात्र जय केदार श्रीवास्तव ने अपने कोच प्रताप निषाद के मार्गदर्शन में 14 राज्यों के प्रतिभागियों को कड़ी टक्कर देते हुए रजत पदक एवं कास्य पदक प्राप्त कर सायना का परचम लहराया। प्रात:कालीन प्रार्थना सभा में जय केदार को सम्मानित करते हुए सायना के प्राचार्य डॉ आदित्य कुमार शर्मा ने कहा कि कराटे प्रतियोगिता में पदक हासिल कर छात्र ने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ निश्चय और परिश्रम से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। छात्र की इस उपलब्धि के लिए बधाई। जय की इस सफलता पर सायना की चेयरपर्सन डॉ. निधि पाठक, सचिव निर्मला सत्येन्द्र पाठक पूर्व महापौर, विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक पूर्व राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन मैनेजमेंट रिप्रेजेन्टेटिव मि. ऋषि अरोरा, अभिभावको एवं शिक्षकों ने बधाइयाँ प्रेषित की हैं।

कटनी में नकली गुटखा पैकिंग का भंडाफोड़

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला माधवनगर थाना क्षेत्र के बंगला लाइन इलाके से सामने आया है, जहां पुलिस ने दबिश देकर नामी गुटखा ब्रांड की डुप्लीकेट पैकिंग करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली गुटखा और पैकिंग सामग्री जब्त की है। माधवनगर पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि बंगला लाइन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नकली गुटखा तैयार कर उसकी पैकेजिंग की जा रही है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम ने तत्काल योजना बनाकर बताए गए ठिकाने पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने देखा कि वहां बाजार में अत्यधिक लोकप्रिय लहर गुटखे की हूबहू नकली पैकिंग तैयार की जा रही थी। ब्रांडेड कंपनी के रैपर और पैकिंग का इस्तेमाल कर घटिया दर्जे का तंबाकू और गुटखा बाजार में खपाने की तैयारी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस पूरे अवैध कारोबार का मुख्य सूत्रधार नीलेश पहुजा नामक व्यक्ति को बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मौके से भारी मात्रा में नकली लहर गुटखा, खाली पाउच, रैपर्स और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली मशीनें व अन्य सामग्री बरामद की गई हैं।

स्वच्छता के दावों पर गंदगी का ग्रहण, बस स्टैंड से लेकर कई इलाकों में कचरे के ढेर

कागजों में साफ शहर, जमीनी हकीकत में बदहाल व्यवस्था

सफाई ठेकेदारों और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर को स्वच्छ बनाने के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। नगर निगम क्षेत्र के कई इलाकों में कचरे के ढेर, बदहाल सफाई व्यवस्था और दुर्गंध से लोग परेशान हैं। सबसे खराब स्थिति शहर के प्रमुख प्रियदर्शनी बस स्टैंड की बताई जा रही है, जहां प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही के बावजूद परिसर में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। कई स्थानों पर कचरा सड़ रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। यात्रियों और बस ऑपरेटरों का कहना है कि बस स्टैंड जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थल की नियमित सफाई नहीं होने से शहर की छवि भी प्रभावित हो रही है। नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम सफाई व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे तो करता है, लेकिन धरातल पर उसका असर दिखाई नहीं देता। उनका सवाल है कि जब सफाई व्यवस्था के लिए ठेकेदार नियुक्त हैं और उन पर सार्वजनिक धन खर्च किया जा रहा है, तो शहर के प्रमुख स्थलों पर गंदगी यों बनी हुई है? सफाई कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता की समीक्षा आखिर कौन कर रहा है? बस और ऑटो चालकों ने भी सवाल उठाया है कि नगर निगम नियमित रूप से स्टैंड शुल्क और अन्य शुल्क तो वसूलता है, लेकिन यात्रियों को साफ-सुथरा और सुविधाजनक परिसर उपलब्ध कराने में गंभीरता क्यों नहीं दिखाता। उनका कहना है कि यदि मूलभूत सुविधाएं ही नहीं मिल रहीं, तो शुल्क वसूली का औचित्य भी सवालों के घेरे में है। यात्रियों का कहना है कि यदि अधिकारी नियमित निरीक्षण करते हैं तो गंदगी हटाने की कार्रवाई यों नहीं हो रही, और यदि निरीक्षण नहीं हो रहे हैं तो सफाई व्यवस्था की जवाबदेही किसकी है? लोगों ने नगर निगम और जिला प्रशासन से मांग की है कि सफाई व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाए तथा शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए।

दो ट्रांसफार्मर जलने से 15 दिन से अंधेरे में वार्ड, बारिश में बढ़ी रहवासियों की मुश्किल

बिजली बहाल कराने की मांग तेज

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर परिषद बरही के वार्ड क्रमांक 15 स्थित हीरापुर के 6 घरा हनुमान मोहल्ला और गोड मोहल्ला में दो घरेलू विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से दर्जनों परिवार अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। एक ट्रांसफार्मर करीब 15 दिनों से जबकि दूसरा लगभग दो माह से जला पड़ा है, लेकिन अब तक उन्हें बदला नहीं गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रांसफार्मर खराब होने से अधिकांश घरों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। बरसात के मौसम में रात के समय अंधेरा रहने से सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ गया है। इससे छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर रहवासी चिंतित हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि समस्या की जानकारी कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि विभाग बिजली बिल बकाया का हवाला देकर ट्रांसफार्मर बदलने में देरी कर रहा है, जबकि इसकी सजा पूरे मोहल्ले के लोगों को भुगतनी पड़ रही है। रहवासियों ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि जनहित और बरसात के मौसम को देखते हुए दोनों जले हुए ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलकर नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

कटनी में स्कूल एवं यात्री बसों की सघन जांच

बिना फिटनेस संचालित बस जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर कटनी के निर्देश एवं मार्गदर्शन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कटनी-जबलपुर एवं कटनी-निवार मार्ग पर स्कूल एवं यात्री बसों का विशेष सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सड़क पर संचालित सभी बसें निर्धारित परिवहन नियमों का पालन करें तथा यात्रियों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। जांच अभियान के दौरान कुल 12 स्कूल बसों एवं 15 यात्री बसों सहित कुल 27 बसों का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान परिवहन विभाग की टीम ने बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की विस्तार से जांच की। साथ ही वाहनों में उपलब्ध सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया, ताकि यात्रियों एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके। जांच के दौरान एक यात्री बस बिना वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के संचालित होती पाई गई। बिना फिटनेस के वाहन का संचालन मोटरयान अधिनियम का गंभीर उल्लंघन माना जाता है, क्योंकि ऐसे वाहनों से सड़क

दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित बस के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे निवार चौकी में जब्त कर सुरक्षित रखा गया। संबंधित वाहन स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल ने बताया कि सड़क पर संचालित प्रत्येक वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र वैध होना अत्यंत आवश्यक है। फिटनेस प्रमाण पत्र यह सुनिश्चित करता है कि वाहन तकनीकी रूप से सुरक्षित है और उसके ब्रेक, स्टीयरिंग, टायर, लाइट तथा अन्य आवश्यक उपकरण सही स्थिति में हैं। बिना फिटनेस के वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यात्रियों और आम नागरिकों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने वाहन संचालकों एवं बस मालिकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर नवीनीकृत कराएं तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करें। विशेष रूप से स्कूल बस संचालकों से कहा गया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर इस प्रकार के विशेष जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। बिना फिटनेस, परमिट, बीमा अथवा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के वाहन संचालित करते पाए जाने पर संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य नियमों का पालन सुनिश्चित करना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा आम नागरिकों और स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

नगर निगम में आयोजित हुई महापौर जनसुनवाई

महापौर ने सुनीं आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम कटनी में 14 जूलाई मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान पेयजल, सड़क, नाली, स्वच्छता, राजस्व, अतिक्रमण सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रकरणों पर सुनवाई की गई। महापौर ने प्रत्येक आवेदन पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई नागरिकों की समस्याओं के प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। नागरिकों कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर आवेदकों को समय पर राहत प्रदान की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

सभी शाखाओं की उपस्थिति से शिकायतों के निराकरण में मिली सुविधा–जनसुनवाई के दौरान नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एक ही स्थान पर मौजूद रहे, जिससे नागरिकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। कई प्रकरणों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर कार्रवाई प्रारंभ कराई गई, जबकि गंभीर मामलों के शीघ्र निराकरण के लिए निर्देश दिए गए।

प्रत्येक मंगलवार जनसुनवाई का लाभ उठाने की अपील– महापौर ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली महापौर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी शिकायतें सीधे नगर निगम के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी एवं जवाबदेह सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

स्कूल के पास मेडिकल वेस्ट का ढेर संक्रमण के खतरे से सहमे रहवासी

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 34 मंगल नगर में शासकीय स्कूल और पानी की टंकी के समीप स्थित खाली प्लॉट इन दिनों मेडिकल वेस्ट का डंपिंग स्थल बनता जा रहा है। यहां लगातार एडल्ट डायपर, बेबी डायपर और अन्य चिकित्सकीय कचरा फेंके जाने से क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है और स्कूल आने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। रहवासियों के अनुसार संबंधित स्थान से समय पर कचरा नहीं उठाया जाता। बारिश के दौरान नालियां ओवरलो होने पर यही मेडिकल वेस्ट बहकर मुख्य सड़क तक पहुंच जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बढ़ जाती है।

बारिश से पहले सड़कों की मरम्मत

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानसून के दौरान शहरवासियों को गड्ढों और खराब सड़कों से होने वाली परेशानी से बचाने के लिए नगर निगम ने प्रमुख मार्गों पर पैचवर्क अभियान तेज कर दिया है। शहर के विभिन्न हिस्सों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर उन्हें आवागमन योग्य बनाया जा रहा है, ताकि बारिश के समय यातायात सुचारु बना रहे और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। अभियान के तहत सिविल लाइन फायर ब्रिगेड कार्यालय से महारानी लक्ष्मीबाई चौक, अहिंसा तिराहा, झंडा बाजार, सागर पुलिया से इंडियन कॉफी हाउस, बरगवां कटाए घाट मोड़ से अमकुही मार्ग, वेंकट वार्ड ओवरब्रिज के नीचे निषाद स्कूल के सामने, लखेरा मुख्य मार्ग तथा बस स्टैंड से पन्ना मोड़ तक सड़क मरम्मत का कार्य कराया गया है। कई स्थानों पर पेवर ब्लॉक और स्टोन डस्ट की मदद से गड्ढे भरे गए हैं, जबकि अन्य प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता के अनुसार मरम्मत का काम जारी है। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार का कहना है कि बारिश के दौरान यातायात बाधित न हो, इसके लिए सभी जोन में सड़कों की स्थिति का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पैचवर्क कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जाए, जिससे नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

फोटो: विकास गुप्ता

सेमीफाइनल में होगी मेसी और केन की भिड़ंत

अटलांटा (वार्ता)।

बुधवार को, इंग्लैंड और अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफ़ाइनल में आमने-सामने होंगे, जो फुटबॉल के दिग्गजों के बीच एक असली मुकाबला होगा। बुधवार का मुकाबला लियोनेल मेसी के करियर के इतिहास में पहली बार होगा जब वे इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे और हैरी केन के खिलाफ यह उनका केवल तीसरा मैच होगा। फाइनल में जगह बनाने के लिए, ये देश अपने स्टार खिलाड़ियों पर निर्भर रहेंगे कि वे टूर्नामेंट के दौरान की तरह ही अच्छा प्रदर्शन करें। इन दोनों टीमों के मामले में, वे खिलाड़ी लियोनेल मेसी और हैरी केन हैं - दो ऐसे अटैकर जिनमें गोल करने की खास काबिलियत है। केन अपने करियर के सबसे बेहतरीन दौर में हैं और बायर्न म्यूनिख के साथ अपने अब तक के सबसे अच्छे सीज़न के बाद नॉर्थ अमेरिका पहुंचे हैं। मेसी ने पिछले एक दशक में अपने बेहतरीन फॉर्म को बनाए रखा है और उनमें अभी भी क्लब और देश के लिए मैच का नतीजा बदलने की काबिलियत है। सालों में उनके करियर बहुत अलग रहे हैं; अर्जेंटीना के खिलाड़ी मेसी ला मासिया से निकलकर सुर्खियों में आए, जल्द ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की चर्चा में शामिल हो गए और अब उन्हें निर्विवाद रूप से सर्वकालिक महान फुटबॉलरों में से एक या शायद सबसे महान माना जाता है। उनके इंग्लिश समकक्ष (केन) की इस खेल में शुरुआत बिल्कुल अलग थी। टोटेनहम हॉटस्पर की अकादमी से निकले केन ने फर्स्ट टीम में जगह बनाने से पहले चार अलग-अलग लोन स्पेल में संघर्ष किया और प्रीमियर लीग के बेहतरीन खिलाड़ियों की चर्चा में अपनी जगह बनाई। अब बायर्न में, केन ने अपने खेल को एक नए स्तर पर पहुँचाया है जिसमें अब अपनी टीम को ट्रॉफियां जिताने की काबिलियत भी शामिल है। लेकिन, इन दोनों के बीच होने वाले इस दुर्लभ मुकाबले में, समय ही बताएगा कि इन महान करियर का अगला अध्याय क्या होगा। खासकर इस टूर्नामेंट की बात करें तो, दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों के लिए गोल करने की अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन किया है। मेसी अभी केन से दो गोल आगे हैं और दोनों ही गोल्डन बूट की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं।

इंग्लैंड की टीम पूरी तरह एकजुट है: हैरी

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने कहा कि अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले उनकी टीम 'पूरी तरह एकजुट' है। नॉर्वे के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर कोच थॉमस टुखेल की राय पर जूड बेलिंगहम के सवाल उठाने के बाद, इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन का कहना है कि टीम पूरी तरह एकजुट है। केन ने कहा, जब आप ऐसा मैच खेल रहे हों और फ़ाइनल विसल के पांच मिनट बाद ही आपसे कोई सवाल पूछा जाए, और आपको ठीक से पता भी न हो कि क्या कहा गया है, तो आप जूड बेलिंगहम से क्या उम्मीद करते हैं। हम अभी-अभी एक कड़े मुकाबले से गुजरे थे। इस तरह की फूट पैदा करने की कोशिश करना आसान है - ऐसा लगता है कि बड़े टूर्नामेंट में इंग्लैंड के साथ ऐसा ही होता है। लेकिन असल में बात इसके बिल्कुल उलट है। यह ग्रुप अपनी पूरी एकजुटता की वजह से ही इस मुकाम पर पहुंचा है इसमें सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोच और स्टाफ भी शामिल हैं। कभी-कभी छोटी-छोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है।

इंग्लैंड के डिफेंडर जेम्स पूरी तरह फिट

इंग्लैंड के डिफेंडर रीस जेम्स का कहना है कि वह बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ़ वर्ल्ड कप सेमीफ़ाइनल में खेलने के लिए पूरी तरह फिट और तैयार हैं। चेल्सी के इस राइट-बैक खिलाड़ी को घाना के खिलाफ़ इंग्लैंड के ग्रुप-स्टेज मैच में हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। इसके कारण वह पनामा, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो और मैक्सिको के खिलाफ़ जीत वाले मैचों में नहीं खेल पाए थे। हालांकि, नॉर्वे के खिलाफ़ रोमांचक क्वार्टरफ़ाइनल मैच (जिसमें इंग्लैंड 2-1 से जीता) में वह दूसरे हाफ़ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर लौटे। मैक्सिको के खिलाफ़ रेड कार्ड मिलने के कारण जैरेल क्वांसाह अभी भी सस्पेंडेड हैं, इसलिए उम्मीद है कि जेम्स अर्जेंटीना के खिलाफ़ शुरुआती लाइन-अप में शामिल होंगे।

पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे इंग्लैंड और अर्जेंटीना

इंग्लैंड और अर्जेंटीना बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में वर्ल्ड कप की अपनी सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर से शुरू करेंगे। यह मुकाबला उनके पिछले आमने-सामने के मैच के दो दशक से भी अधिक समय बाद हो रहा है। ये टीमें टूर्नामेंट में पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें इंग्लैंड ने तीन और अर्जेंटीना ने दो बार जीत हासिल की है। फिर भी, यह प्रतिद्वंद्विता कभी भी केवल आंकड़ों से परिभाषित नहीं हुई है। हालांकि वे पहली बार 1962 के वर्ल्ड कप में मिले थे, जब इंग्लैंड ने ग्रुप स्टेज में 3-1 से जीत हासिल की थी, लेकिन टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता की नींव 1966 के क्वार्टर फाइनल में वेम्बली में पड़ी थी। इंग्लैंड ने 1-0 से जीत हासिल की थी यह मैच जेफ हर्स्ट के देर से किए गए विजयी गोल के बजाय अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन को बाहर किए जाने के लिए अधिक याद किया जाता है।

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में भारत का वनडे रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन (वार्ता)। जसप्रीत बुमराह ने मंगलवार को अपने उल्लेखनीय करियर में एक और शानदार अध्याय जोड़ा, वह इंग्लैंड में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के सबसे सफल विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए और 150 एकदिवसीय विकेट के मील के पत्थर तक भी पहुंच गए। तेज़ गेंदबाज़ ने वनडे के दौरान इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को आउट करके दोहरी उपलब्धि हासिल की, और इंग्लैंड में 31 विकेट के साथ भारत के सर्वकालिक वनडे विकेट चार्ट में रवींद्र जड़ेजा के 30 विकेटों को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। जसप्रीत बुमराह का ऐतिहासिक विकेट ट्रेडमार्क अंदाज़ में आया। तेज गेंदबाज ने चतुराई से छिपी धीमी गेंद से ब्रूक को धोखा दिया जो पिच से अजीब तरीके से उछल गयी। इंग्लैंड का बल्लेबाज केवल गेंद का बचाव कर सका, जो गेंद से टकराकर पहली स्लिप में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के पास पहुंची। ब्रूक तीन गेंदों में एक रन बनाकर आउट हो गए और बुमराह ने भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इस विकेट से वनडे क्रिकेट में बुमराह का 150वां विकेट भी जुड़ गया, जो भारत के महानतम सफ़ेद गेंद गेंदबाजों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को रेखांकित करता है। उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए माने जाने वाले, बुमराह ने लगातार सभी परिस्थितियों में भारत के तेज आक्रमण का नेतृत्व किया है, इंग्लैंड में उनके कारनामे सीम-अनुकूल वातावरण में उनकी महारत के प्रमाण के रूप में सामने आए हैं। इंग्लैंड में भारत के प्रमुख एकदिवसीय विकेट लेने वालों की अद्यतन सूची अब इस प्रकार है- जसप्रीत बुमराह (31), रवींद्र जड़ेजा (30), भुवनेश्वर कुमार (28), मदन लाल (27) और मोहम्मद शमी (26)।

चोट के कारण सात्विक-चिराग ने मैच छोड़ा, सिंधु दूसरे राउंड में

टोक्यो (वार्ता)। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को वापसी के दौरान एक बार फिर चोट का सामना करना पड़ा। उन्हें मंगलवार को जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने पहले राउंड के मैच के बीच से ही हटना पड़ा। टोक्यो में खेले रहे सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (पुरुष डबल्स बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर) ने डेनमार्क के दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड के खिलाफ पहला गेम 21-19 से गंवा दिया और फिर मैच से हट गए। एशियाई खेलों के मौजूदा पुरुष डबल्स चैंपियन तब से पहली बार खेल में वापसी कर रहे थे, जब पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के शुरुआती राउंड के दौरान सात्विक के कंधे की चोट बढ़ गई थी। मंगलवार को सात्विक उसी चोट से परेशान दिखे, जिसके कारण यह जोड़ी चार टूर्नामेंट से बाहर रही थी। यह चोट उन्हें मई में सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल का सूखा खत्म करने के कुछ ही हफ्तों बाद लगी थी। महिला सिंगल्स बैडमिंटन इवेंट में, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर कंट्रोल बनाए रखा और रैलियों पर हावी होकर 7-4 की बढ़त बना ली। वोंग लिंग चिंग शुरुआत में मुकाबले में बनी रहीं, लेकिन कई गलतियों के कारण भारतीय खिलाड़ी को इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बनाने का मौका मिल गया। इसके बाद सिंधु ने अपने स्ट्रोक्स में विविधता दिखाई और 14-9 की बढ़त बना ली। वोंग लिंग चिंग कुछ गलतियों का फायदा नहीं उठा सकीं, जिससे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। भारतीय शटलर ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी और 8-2 की बढ़त बनाने के बाद इंटरवल तक 11-3 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। वोंग लिंग चिंग अपनी सटीकता को लेकर संघर्ष करती रहीं, जबकि सिंधु ने 10 मैच पॉइंट हासिल किए और अपने दूसरे मैच पॉइंट का फायदा उठाकर 35 मिनट में मुकाबला जीत लिया।

बुडापेस्ट में वापसी कर रहे हैं अमन सहरावत

बुडापेस्ट (वार्ता)। भारतीय पहलवान हंगरी में बुधवार से शुरू होने वाले पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस और कोज़मा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में एशियन गेम्स के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर बनाएंगे। बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज़, 2026 यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) का चौथा और आखिरी पड़ाव है। भारत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल, महिलाओं और ग्रीको-रोमन कैटेगरी में अपने खिलाड़ी उतारे हैं। एशियन गेम्स में जाने वाले भारत के 18 पहलवानों में से 11 पहलवान बुडापेस्ट में हिस्सा लेंगे, जिनमें ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट अमन सहरावत (पुरुष 57किग्रा) और वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट अंतिम पंघाल (महिला 53किग्रा) शामिल हैं। भारत के सबसे युवा ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत, उलानबटार ओपन में हिस्सा न लेने के बाद इंटरनेशनल लेवल पर वापसी कर रहे हैं और पुरुषों की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। भारत की

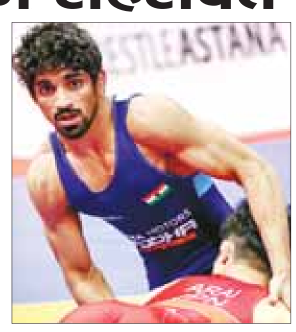

एशियन गेम्स 2026 रेसलिंग टीम का हिस्सा रहे सागर जगलान (74), मुकुल दहिया (86) और ओलंपियन दीपक पूनिया (97) भी बुडापेस्ट में मुकाबला करेंगे। अंतिम पंघाल भी उलानबटार में पिछली रैंकिंग सीरीज़ में हिस्सा न लेने के बाद वापसी कर रही हैं और 53किग्रा कैटेगरी में कड़े मुकाबले का सामना करेंगी। इस कैटेगरी में भारतीय पहलवान के साथ, जिन्होंने 2023 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था, निशु भी शामिल होंगी। बुडापेस्ट के लिए भारत की महिला टीम में एशियन गेम्स में जाने वाली दीपाशी (50), मानसी अहलावत (62) और निशा दहिया (68) भी शामिल हैं।

वेस्टइंडीज को हराकर न्यूजीलैंड ने सीरीज में बराबरी की

गुयाना (वार्ता)। जेडेन लेनॉक्स (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरे एक दिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 104 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में एक-एक से बराबर कर ली। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की पूरी टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 36 ओवरों में 138 रनों पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के लिए, जॉन कैंपबेल ने सर्वाधिक (43) रनों की पारी खेली। आमिर जंगू ने (24), अकीम ऑगस्ट, कीसी कार्टी ने (18-18) रनों का योगदान दिया। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। लेनॉक्स के बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर 5 विकेट लिये और साथ ही मिशेल सेंटनर और माइकल ब्रेसवेल के दो-दो विकेट झटके। न्यूज़ीलैंड के स्पिनरों ने कुल नौ विकेट लिए। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के स्कोर को पार करने में 32.4 ओवर लिए, जिसमें टॉम लैथम (नाबाद 37) मेहमान टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए, वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल (43) और अकीम ऑगस्ट (18) की बदौलत अच्छी शुरुआत मिली, दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 63 रन जोड़े। जैसे ही गेंद पुरानी हुई और स्पिनर आए, खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। ऑगस्ट ने शॉट जल्दी खेल दिया और ब्रेसवेल की गेंद पर पॉइंट पर कैच दे बैठे, जबकि कैंपबेल सेंटनर की

आर्म बॉल पर देर से प्रतिक्रिया दे पाए और 43 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद लेनॉक्स ने जल्दी-जल्दी शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को आउट किया, जबकि कीसी कार्टी को सेंटनर ने बोल्ड किया, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर पांच विकेट पर 108 रन हो गया। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने स्टंप्स को निशाना बनाया, जिसमें छह बल्लेबाज बोल्ड हुए और दो एलबीडब्ल्यू आउट हुए। गुडाकेश मोती अगले बल्लेबाज थे जो आउट हुए; लेनॉक्स की स्पिन होती गेंद पर पंच करने की कोशिश में वे फिर से बोल्ड हो गए, जबकि मैथ्यू फोर्ड लाइन चूक गए और स्वीप करने की कोशिश में बोल्ड हो गए। अमीर जंगू, जिन्होंने बाकी बल्लेबाजों की तुलना में बेहतर खेल दिखाया, 24 रन पर आउट हुए; वे ब्रेसवेल की गेंद पर स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा हो गए।

रुपया 48 पैसे टूटा, फिर 96 प्रति डॉलर के पार

मुंबई, (वार्ता)। कच्चे तेल में रही तेजी से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 48 पैसे लुढ़क गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 96.16 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा इस साल 21 मई के बाद पहली बार 96 रुपये प्रति डॉलर से नीचे उतरी है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 30 पैसे टूटकर 95.68 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इससे रुपये पर दबाव रहा। रुपया आज 27 पैसे गिरकर 95.95 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। डॉलर की मांग बढ़ने से एक समय यह 96.33

रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। अंत में 96.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफपीआई) भी आज पूंजी बाजार में बिकवाल रहे। उन्होंने 31 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की। इससे भी रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में 0.59 प्रतिशत की नरमी से रुपये को समर्थन मिला और उसकी गिरावट सीमित रही।

वेदांता महत्वपूर्ण खनिजों की खोज का काम तेज करेगी: अनिल अग्रवाल

नयी दिल्ली (वार्ता)। खनन एवं धातु क्षेत्र के दिग्गज कारोबार समूह वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि उनकी कंपनियां लिथियम, कोबाल्ट, सोना, तांबा, निकेल, मैंगनीज, रेयर अर्थ और पोटाश सहित 10 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों में खोज का काम तेज़ करेंगी। श्री अग्रवाल ने वेदांता लि. के शेयरधारकों की 61वीं सामान्य वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2031 तक जिंक और लेड का उत्पादन लगभग तीन गुना बढ़ाकर 30 लाख टन करना है। इसके साथ ही चांदी का उत्पादन दोगुना कर 1,500 टन, इस दशक के अंत तक तांबे का उत्पादन 10 लाख टन, वित्त वर्ष 2027-28 तक फेरोक्रोम की क्षमता पांच लाख टन

और निकल का उत्पादन 60,000 टन तक बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि उनका सपना वेदांता के डीमर्जर के बाद बनी हर कंपनी को 100 अरब डॉलर की कंपनी बनाना है। कंपनी की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री अग्रवाल ने वेदांता के ऐतिहासिक डीमर्जर के सफलतापूर्वक पूरा होने का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में कहा, समूह की पाँचों स्वतंत्र कंपनियां वेदांता लिमिटेड, वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड, वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड, वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड और वेदांता पावर लिमिटेड में से प्रत्येक के पास 100 अरब डॉलर की कंपनी बनने की क्षमता है। उल्लेखनीय है कि ये पांचों स्टॉक एक्सचेंज एनएसई में सूचीबद्ध हैं। उन्होंने शेयरधारकों से कहा, एक साल पहले आप एक ही एकीकृत कंपनी के शेयरधारक थे। आज आपके पास पांच अलग-अलग अवसर हैं। दुनिया में बहुत कम कॉर्पोरेट बदलाव ऐसे हुए हैं, जिन्होंने शेयरधारकों के लिए इतना बड़ा अवसर बनाया हो और हमारा मानना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने कहा कि कंपनी का भविष्य तीन पी- प्रोड्यूस मोर (अधिक उत्पादन), पार्टनर बैटर (बेहतर साझेदारी) और पर्पज़ बियॉन्ड प्रॉफिट (लाभ से परे उद्देश्य) पर आधारित होगा। वेदांता प्रमुख ने कहा, संसाधनों की सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बन गई है। हम सिर्फ संसाधनों के कारोबार में नहीं हैं, बल्कि भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

एम्वे इंडिया ने प्रीमियम स्किनकेयर पोर्टफोलियो का किया विस्तार

नयी दिल्ली (वार्ता)।

स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पाद बेचने वाली कंपनी एम्वे इंडिया ने अपने प्रीमियम स्किनकेयर पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन मल्टी-डिफेंस यूवी प्रोटेक्ट बाजार में उतारने की घोषणा की है। कंपनी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि न्यूट्रीलाइट से प्राप्त वनस्पति तत्वों से भरपूर यह नया स्किनकेयर उत्पाद आधुनिक जीवनशैली में त्वचा को विभिन्न पर्यावरणीय प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह कंपनी के आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन रेंज का विस्तार है। कंपनी का दावा है कि इस श्रृंखला में प्राकृतिक तत्वों और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक का संतुलित मेल है, जिससे त्वचा को स्वस्थ बनाये रखने में मदद मिलती है। एम्वे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा कि देश का स्किनकेयर बाजार तेजी से बदल रहा है और उपभोक्ता अब ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें इस्तेमाल होने वाले तत्वों की स्पष्ट जानकारी हो और जिनकी प्रभावशीलता वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो। प्राकृतिक और पौधों से प्राप्त तत्वों वाले स्किनकेयर उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ता अब अपनी सुंदरता और संपूर्ण स्वास्थ्य दोनों को ध्यान में रखकर उत्पादों का चयन कर रहे हैं। कंपनी का दावा है कि यह यूवीए और यूवीबी किरणों से सुरक्षा देता है।

रेनो ने पेश किया डस्टर का एडवेंचर एडिशन

नयी दिल्ली (वार्ता)।

रेनो समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रेनो इंडिया ने अपने एसयूवी डस्टर का एडवेंचर एडिशन बाजार में उतारा है। कंपनी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस विशेष संस्करण की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.99 लाख रुपये से शुरू है। एडवेंचर से प्रेरित यह विशेष संस्करण उस जज्बे का उत्सव है, जिसने डस्टर को भारतीय ग्राहकों के लिए एक अलग पहचान दी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्षों से डस्टर ने एक मजबूत पहचान बनायी। यही कारण है कि एडवेंचर डस्टर की विरासत का स्वाभाविक प्रतीक बन गया है। इस विशेष संस्करण का अनावरण भारत में फ्रांस के राजदूत थियरी मैथू और रेनो ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन डेब्लेज़ ने बैस्टिल डे के अवसर पर किया। श्री डेब्लेज ने कहा, प्रतिष्ठित वाहन केवल अपने प्रदर्शन के कारण याद नहीं रखे जाते, बल्कि इसलिए भी कि वे लोगों के जीवन में एक विशेष स्थान बना लेते हैं। डस्टर ऐसे ही चुनिंदा वाहनों में शामिल है। वर्षों के दौरान यह भारत भर के ग्राहकों की अनगिनत यात्राओं

और यादगार पलों का हिस्सा बनी। एडवेंचर एडिशन डस्टर के प्रति लोगों के इसी अटूट जुड़ाव का उत्सव है। एडवेंचर एडिशन तीन इंजन विकल्पों - टर्बो टीसीई 100 एमटी, टर्बो टीसीई 160 एमटी और टर्बो टीसीई 160 डीसीटी - में उपलब्ध है। इनकी एक्स-शोरूम कीमत क्रमशः 12.99 लाख रुपये, 13.99 लाख रुपये और 15.39 लाख रुपये है। इस विशेष संस्करण में कई खास एक्सटीरियर फीचर दिये गये हैं। इसमें बाहरी सतह पर लेह की स्थलाकृतियों और अक्षांश एवं देशांतर शामिल हैं। इसके अलावा इसमें विशेष एडवेंचर एम्बेलिशर्स और प्रीमियम एडवेंचर फ्लोर मैट्स भी दिये गये हैं।

शेयर बाजारों में गिरावट, सेंसेक्स 561 अंक टूटा

मुंबई (वार्ता)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 561 अंक उतर गया। सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 344 अंक नीचे खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। कारोबार की समाप्ति पर यह 561.46 अंक (0.72 प्रतिशत) की गिरावट में 77,054.94 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग ऐसा ही रहा। यह 158.95 अंक यानी 0.66 प्रतिशत नीचे 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का गत 09 जुलाई के बाद का निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान ने एक बार फिर परस्पर हमले शुरू कर दिये हैं। अमेरिका जहां सीधे ईरान को निशाना बना रहा है, वहीं ईरान खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी अब दोनों पक्ष अपना-अपना अधिकार जताने लगे हैं। इससे बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई है। घरेलू स्तर पर प्रमुख सूचकांकों के साथ वृहद बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.56 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.01 प्रतिशत टूट गया। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, आईटी और रियल्टी सेक्टरों में ज्यादा गिरावट देखी गयी। एफएमसीजी, तेल एवं गैस, मीडिया और रसायन समूहों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे।

फार्मा, स्वास्थ्य और धातु समूहों के सूचकांक ऊपर बंद हुए। एनएसई में जिन 3,410 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,277 के शेयर लाल निशान में और 1,020 के शेयर हरे निशान में रहे। अन्य 113 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर फिसल गये। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 4.42 फीसदी टूट गया। इंडिगो में 2.30 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 2.21, भारतीय स्टेट बैंक में 2.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.10 और एलएंडटी में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 1.60 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.53, आईटीसी का 1.48, मारुति सुजुकी का 1.44, टेक महिंद्रा का 1.35, एचडीएफसी बैंक का 1.16 और एनटीपीसी तथा ट्रेंट के शेयर में एक से दो प्रतिशत तक नीचे रहे। इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, हिंदुस्तान यूनीलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। मुनाफा कमाने वालों में भारती एयरटेल का शेयर 1.75 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ। टीसीएस, सन फार्मा, टाटा स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी मजबूत रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 1.36 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.74 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.52 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। जर्मनी का डैक्स फिलहाल 0.74 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.33 फीसदी नीचे है।

प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही कैबिनेट ने किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कुण्डलिया परियोजना को निरंतर रखने जैसे कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगायी है।

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना के लिए स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ में जल संसाधन विभाग की कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। राजगढ़ जिले में निर्मित यह एक वृहद सिंचाई परियोजना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य बांध निर्माण कर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के 1,39,600 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है।

नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद ने रबी वर्ष 2023-24 विपणन वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत लक्ष्य से अधिक उपार्जित मूंग के लिए 1,587 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार पंजाब नेशनल बैंक से ली गई साख सीमा में 19 जुलाई 2026 से 18 जनवरी 2027 तक 6 माह की अवधि के लिए शेष राशि 396 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा में 3 जुलाई 2026 से 2 जुलाई 2027 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए शेष राशि 1,191 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराई जायेगी।

टेक-होम राशन की व्यवस्था महिला एवं बाल विकास को हस्तांतरित

मंत्रि-परिषद ने टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है। तत्कालिक रूप से अन्तरिम व्यवस्था के रूप में स्व सहायता समूह से पूरक पोषण आहार प्रदाय के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। अन्तरिम व्यवस्था तत्काल प्रारंभ किए जाने के साथ ही भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने एवं नवीन निर्देश अनुसार व्यवस्था स्थापित होने तक के लिए टेक होम राशन की व्यवस्था, अल्प कालीन निविदा के माध्यम से किए जाने के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने के बाद विभाग स्थायी व्यवस्था स्थापित करेगा।

नगरीय क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के लिए स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने वाणिज्य कर विभाग के तहत पालिका अधिनियम अंतर्गत पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क के अधिभार से प्राप्त राशि का निधि में अंतरण से संबंधित योजना के आगामी 5 वर्षों तक संचालन के लिए 8 हजार 445 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। पालिका अधिनियम अंतर्गत मुदांक शुल्क के साथ म.प्र. नगर पलिका/नगर निगम अतिरिक्त शुल्क के रूप में उद्गहीत की गई राशि को नगरीय विकास विभाग को अंतरित किया जाता है। इस राशि का उपयोग नगर निगम, नगर पलिका तथा नगर परिषद द्वारा नगरीय क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा ऐसी परियोजनाओं के लिए निकायों द्वारा लिए गये ऋष्ा पुनर्भुगतान के लिए किया जाता है।

वाणिज्यिक कर विभाग के कार्यालय संचालन के लिए 521 करोड़ 4 लाख की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने वाणिज्यिक कर विभाग के अंतर्गत संचालित तीन स्थापना योजनाओ को आगामी 5 वर्षों की अवधि यानि वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक के लिए निरंतर संचालन के लिए कुल राशि 521 करोड़ 4 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार मुख्यालय संचालन के लिए 60 करोड़ 81 लाख रूपये जिला कार्यालय संचालन के लिए 434 करोड़ 81 लाख रूपये और परिक्षेत्रीय कार्यालय के संचालन के लिए 25 करोड़ 42 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए करें हरसंभव प्रयास: राज्यमंत्री गौर

नियमित शिविरों से बढ़ेगी जागरूकता

भोपाल (स्वतंत्र मत)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनहितैषी बनाने और अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विभिन्न बस्तियों में नियमित स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे आमजन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों और अधिक से अधिक मरीज सरकारी अस्पतालों की सेवाओं का लाभ उठा सकें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर हथाईखेड़ा सिविल अस्पताल में आयोजित रोगी कल्याण समिति की बैठक को संबोधित कर रही थीं। बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं, उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की कमी या समस्या को लंबित न रखा जाए। इसके लिए प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार और सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि रोगी हित सर्वोच्च प्राथमिकता है और अस्पताल की कार्यप्रणाली भी उसी अनुरूप होनी चाहिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से क्षेत्रीय स्तर पर जन संपर्क बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अस्पताल का निरीक्षण कर विभिन्न वार्डों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य, उपचार व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से अस्पताल में मिलने वाली चिकित्सकीय सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई तथा स्टाफ के व्यवहार के संबंध में भी फीडबैक लिया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने निरीक्षण में प्रत्येक वार्ड में जाकर स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया और चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की कार्यशीलता तथा मरीजों की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आज से

दमोह (स्वतंत्र मत)। शहर के धरमपुरा वार्ड में 15 जुलाई से 22 जुलाई तक संगीतमय श्रीमद भागवत कथा सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार कथा का आयोजन निज निवासए धरमपुरा वार्डए दमोह में किया जाएगा। कथा वाचन कमलेश्वरानंद महाराज शिव सांई धाम मंदिर बेलाताल द्वारा किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से हरि इच्छा तक निर्धारित किया गया है। 15 जुलाई, कलश यात्रा, भक्ति ज्ञान एवं वैराग्य कथा 16 जुलाई, शुकदेव एवं परीक्षित जन्म प्रसंग, 17 जुलाई परीक्षित श्राप, वामन अवतार व प्रह्लाद चरित्र, 18 जुलाई श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव, 19 जुलाई बाल लीलाएं, गोवर्धन लीला एवं छप्पन भोग, 20 जुलाई कंस वध एवं कृष्ण-रुक्मणी विवाह, 21 जुलाई सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष, 22 जुलाई प्रात: हवन-पूजन एवं दोपहर 12 बजे से भंडारा होगा। इस आयोजन के मुख्य कथा श्रेता के रूप में श्रीमती लक्ष्मीबाई एवं नन्हेलाल बरदिया सेवानिवृत्त पोस्ट मास्टर शामिल हैं।

मौसम बदलते ही बढ़ा बीमारियों का प्रकोप

सिविल अस्पताल की ओपीडी 400 के पार

हटा (स्वतंत्र मत)। लगातार हुई बारिश के बाद मौसम साफ होने और तेज धूप के साथ उमस बढ़ने से क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है।। इसका असर हटा के सिविल अस्पताल में साफ दिखाई दे रहा है, जहां प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 400 के पार पहुंच गई है। अस्पताल की ओपीडी में सबसे अधिक सर्दीए खांसीए बुखारए वायरल संक्रमण और गले में संक्रमण से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं जिससे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर भी कार्यभार बढ़ गया है। डॉ. आरपी कोरी का कहना है कि उमस और गर्मी के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ऐसे मौसम में लापरवाही बरतने से बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। लोगों को पर्याप्त पानी पीने, ताजा एवं स्वच्छ भोजन करने, बारिश का दूषित पानी पीने से बचने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने की सलाह दी रही है।

डेंगू निरोधक माह की शुरुआत

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासन के निर्देशानुसार 9 जुलाई से जिले में डेंगू निरोधक माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने डेंगू जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में माइकिंग कर डेंगू और मलेरिया से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित किए गए तथा लोगों को पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी यामिनी सिलारपुरिया सहित मलेरिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला मलेरिया अधिकारी यामिनी सिलारपुरिया ने बताया कि डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें जिले के हाई रिस्क वार्डों और गांवों में लगातार लार्वा सर्वे कर रही हैं ताकि मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर उन्हें समय रहते नष्ट किया जा सके और मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा डेंगू की रोकथाम में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

शहरों को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाएगी नमो हरित-नगर योजना

नगरीय विकास आयुक्त भोंडवे ने भोपाल की पहाड़ियों का किया निरीक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आगामी 5 वर्षों के लिए 100 करोड़ के बजट के साथ नमो हरित-नगर योजना को संचालित किया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाना, खाली पड़े क्षेत्रों को पार्क के रूप में विकसित करना और सुंदर नगर वन विकसित करना है।

योजना के मुख्य आकर्षण और प्रभाव- हाई-टेक मॉनिटरिंग : लगाए गए पौधों की सुरक्षा और उनके विकास की शत-प्रतिशत निगरानी के लिए क्यूआर कोड, जीआईएस मैपिंग और जियो-टैगिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण: शहरों के स्थानीय मौसम और मिट्टी के अनुकूल पौधों का चयन होगा। जल संरक्षण के लिए पुराने वृक्षों को बचाने, वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) और जलस्त्रोतों के किनारों पर पौधरोपण को प्राथमिकता दी जाएगी।

थीम आधारित नगर वन: नागरिकों को प्रकृति से जोड़ने के लिए इन शहरी जंगलों को विशेष थीम पर विकसित किया जाएगा। इनमें पंचवटी, नक्षत्र वन, औषधि वाटिका, ऑक्सीजन पार्क, तितली पार्क और योग-वेलनेस पार्क प्रमुख हैं। योजना की खास बात यह है कि इसमें जनता और कॉर्पोरेट्स को भी जोड़ा गया है। सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि के बराबर की राशि नगर निकायों को जनभागीदारी, स्वयं सहायता समूहों, एनजीओ या कंपनियों के *सीएसआर फंड* के माध्यम से जुटानी होगी।

नगरीय निकायों को तीन किश्तों में मिलेगी वित्तीय सहायता- योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए राज्य सरकार नगर निकायों को तीन किश्तों में राशि जारी करेगी। प्रदेश के पाँच बड़े महानगरों (भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन) को सर्वाधिक 5 करोड़ तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, 11 नगर निगमों को 1.20 करोड़, 98 नगर पालिकाओं को 30 लाख और 299 नगर परिषदों को 10 लाख तक की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस पूरी योजना का 3 प्रतिशत हिस्सा प्रशासनिक व्यवस्था और इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के कार्यों पर व्यय किया जाएगा।

भोपाल की पहाड़ियाँ बनेंगी सुंदर सार्वजनिक पार्क- अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत योजना को जमीन पर उतारने की कवायद शुरू हो चुकी है।नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवेऔर भोपाल नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने संयुक्त रूप से ज्यूडिशियल अकादमी क्षेत्र में चिनार पार्क से भदभदा गेट तक की बंजर पहाड़ियों का निरीक्षण किया। आयुक्त श्री भोंडवे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि को केवल पौधरोपण तक सीमित न रखकर, वैज्ञानिक पद्धति से व्यवस्थित सार्वजनिक पार्कों के रूप में बदला जाए। इन स्थलों पर नागरिकों के लिए वॉकिंग ट्रैक, पकृति पथ (नेचर ट्रेल) और बुनियादी सुविधाएँ विकसित की जाएँगी, जिससे लोग यहाँ आकर अच्छा समय बिता सकें।सरकार की यह दूरदर्शी पहल शहरों में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ, हरित पर्यावरण देने में मील का पत्थर साबित होगी।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की 27वीं बैठक संपन्न

दमोह । कृषि विज्ञान केंद्र दमोह में 27वी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक 14 जुलाई प्रात: 10:30 बजे से संचालक विस्तार सेवायें डॉ. टीआर शर्मा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर की अध्यक्षता में सपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुऑत माँ सरस्वती की पूजन से हुई तत्पश्चात बैठक में उपस्थित सदस्य गण का परिचय कराया गया। इसके बाद प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मनोज कुमार अहिरवार द्वारा रबी के दौरान केंद्र द्वारा किये गये कार्यों का विवरण एवं खरीफ की कार्ययोजना विस्तारपूर्वक प्रस्तुत की गई।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मैं रामेश्वर दयाल सोनी, पिता स्व बाबूलाल सोनी, जन्मतिथि 02/10/1945, निवासी 127, रामनगर, अधारताल, जबलपुर, म प्र पिन नं. 482004, यह सार्वजनिक सूचना देता हूँ कि मेरा पुराना नाम - आर. डी सोनी आर. डी. शर्मा, रामेश्वर दयाल, रामेश्वर दयाल सोनी, रामेश्वर दयाल शर्मा, रमेश सोनी त्रुटिवश शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं संपत्ति के संपूर्ण दस्तावेजों में दर्ज हो गया है, और मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम रामेश्वर दयाल सोनी पिता बाबूलाल सोनी, उम्र-81 वर्ष है, जो कि सत्य एवं सही है, तथा आधारकार्ड पर दर्ज उपरोक्त नाम, पिता का नाम, उम्र, और पता ही सही है, अत: भविष्य में मेरे सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग, शैक्षणिक, एवं संपति के दस्तावेजों एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मुझे रामेश्वर दयाल सोनी पिता स्व. बाबूलाल सोनी के नाम से ही जाना जायें।

पुराना नाम- आर.डी. सोनी आर.डी. शर्मा, रामेश्वर दयाल, रामेश्वर दयाल सोनी, रामेश्वर दयाल शर्मा, रमेश सोनी
नया नाम:- रामेश्वर दयाल सोनी
मो.नं.-7999620883

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मैं कान्ता सोनी पति रामेश्वर दयाल सोनी, जन्मतिथि 14.03.1954, निवासी 127, रामनगर संजीवन अस्पताल के पास अधारताल, जबलपुर, म प्र पिन नं. 482004, यह सार्वजनिक सूचना देता हूँ कि मेरा पुराना नाम-कान्ता, कान्ता सोनी, कान्ता शर्मा त्रुटिवश, शासकीय अर्द्धशासकीय एवं संपत्ति के संपूर्ण दस्तावेजों में दर्ज हो गया है, और मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम कान्ता सोनी पति रामेश्वर दयाल सोनी उम्र 72 वर्ष है, जो कि सत्य एवं सही है तथा आधार कार्ड पर दर्ज उपरोक्त नाम पति का नाम, उम्र और पता ही सही है, अत: भविष्य में मेरे सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग, शैक्षणिक एवं संपत्ति के सभी दस्तावेजों एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मुझे, कान्ता सोनी पति रामेश्वर दयाल सोनी के नाम से ही जाना जाये।

पुराना नाम- कान्ता, कान्ता सोनी, कान्ता शर्मा
नया नाम:- कान्ता सोनी
मो.नं.-8989613590

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 14/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सचिन कुमार जैन (2) श्री सौरभ कुमार जैन पिता श्री प्रकाश चंद्र जैन ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वर दास रोहाणी के भवन क्रमांक 1191/4 जे एम हाईट डूमना यूनिवसिटी रोड पचपेढ़ी संपत्ति के पिन क्रमांक 1000364267 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1237 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1050 व.फु. प्रथम तल 1050 व.फु. द्वितीय तल 200 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती प्रीति अग्रवाल पति श्री उमेश अग्रवाल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 14/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार गुप्ता पिता श्री पीताम्बर लाल गुप्ता ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक म.नं. 2416/7/1 जवाहर लाल नेहरू संपत्ति के पिन क्रमांक 1000429357 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 332 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री रामधारी सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 14/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गुरमीत कौर पति श्री बलजीत ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 55 गिरिजा विला अवनतारा वार्ड 67 संपत्ति के पिन क्रमांक 9000096883 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 937 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री रोहित दिलबागी पिता श्री रतन लाल दिलबागी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 14/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री स्वप्निल जैन पिता श्री राजेंद्र कुमार जैन ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक ए-505 कटारिया थीम पार्क संपत्ति के पिन क्रमांक 1000379231 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1038 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री अभिताभ भूषण पिता श्री रामचन्द्र सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 14/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री संजीव कुमार (2) श्रीमती रंजना सिंह पिता श्री आनंदी प्रसाद यादव ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक बी-65 अनुप बिहार आर्मी बेल फेयर वार्ड 67 संपत्ति के पिन क्रमांक 1002861961 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 870 व.फु. प्रथम तल 575 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री शैलेन्द्र कुमार यादव पति श्री राम अवधेश यादव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

सिहोरा थाना क्षेत्र की घटना, जांच में जुटी पुलिस

अज्ञात कार चालक ने युवक को मारी टक्कर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाना क्षेत्र के मझौली रोड महाराजा ढाबा के सामने अज्ञात कार चालक ने मंगलवार सुबह मझौली से सिहोरा आ रहे एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते वह दूर जा गिरा। जिस कारण उसे हाथ पैर में गंभीर चोटें पहुंची हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लाया गया जहां पर गंभीर अवस्था को देखते हैं डॉक्टरों ने उसे जबलपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं सिहोरा पुलिस ने अज्ञात का चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मामले को जांच में लिया है।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

कार और ऑटो के बीच भीषण टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घंटाघर चौक के पास मंगलवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े एक ऑटो चालक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए तत्काल अस्पताल भिजवाया गया है। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल ऑटो चालक को प्राथमिक उपचार के बाद विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया। अत्यधिक चोट लगने के कारण फिलहाल घायल का नाम और पता स्पष्ट नहीं हो सका है।

पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के आंकड़ों के आधार पर हम दे रहे प्रमोशंस

प्रमोशन में आरक्षण मामले पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में पेश किया अपना जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में प्रमोशन पर आरक्षण मामले को लेकर मंगलवार को हाईकोर्ट में पुन: सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस की गठित स्पेशल बेंच ने मामले पर सुनवाई की, जिसमें राज्य सरकार ने मप्र हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए जवाब पेश किया। राज्य सरकार का कहना था कि पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के आंकड़ों के आधार पर हम प्रमोशंस दे रहे हैं। मप्र हाईकोर्ट ने सरकार का जवाब सुनने के बाद निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ताओं के साथ कर्मचारियों के डेटा का साझा किया जाए। यह कहते हुए हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को बहस के लिए वक्त भी दिया है। जस्टिस विनय सराफ और जस्टिस विवेक अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय की है।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि पहले हाईकोर्ट के निर्देशानुसार यह डेटा सीलबंद लिफाफे में पेश किया गया था, और प्रतिवादियों से साझा नहीं किया गया। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि जिस तरह महाधिवक्ता का मौखिक आश्वासन रिकॉर्ड पर नहीं है, उसी तरह डेटा साझा न करने का कोई आदेश भी रिकार्ड पर मौजूद नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह क्वांटिफिएबल डेटा कोई सरकारी सीक्रेट नहीं है, इसे याचिकाकर्ताओं को दिया जाए।

आदेशों का नहीं हुआ पूरी तरह से पालन

इधर मप्र हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान रिकार्ड देखने के बाद पाया कि 16 अक्टूबर 2025 को सरकार को स्टडी और सर्वे का पूरा डाटा पेश करने के निर्देश दिए गए थे। 28 अक्टूबर को सरकार ने केवल सील बंद लिफाफे में कुछ डाटा पेश किया और कहा की कुछ अन्य दस्तावेज बाद में जमा किए जाएंगे, लेकिन उसके बाद वे दस्तावेज रिकॉर्ड पर नहीं आए, इस पर हाईकोर्ट ने माना कि सरकार ने आदेशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया।

17 जुलाई तक दाखिल कर सकते हैं आपत्तियां

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को पूरा डाटा ही उपलब्ध नहीं होगा तो वह उस पर अपनी आपत्ति कैसे दर्ज करेंगे, इसलिए न्याय के सिद्धांतों के तहत पूरा रिकॉर्ड प्रतिवादियों के साथ साझा किया जाना जरूरी है। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए हैं कि नियम-5 के तहत तैयार सभी स्टडी और सर्वे का डाटा अगले दिन तक प्रतिवादियों को उपलब्ध कराए जाएं और इसकी जानकारी कोर्ट को भी दी जाए। मप्र हाईकोर्ट ने कहा कि प्रतिवादियों को डाटा उपलब्ध कराने के बाद प्रतिवादी 17 जुलाई तक अपनी आपत्तियां दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि वह इस मामले के प्रतिदिन सुनवाई करना चाहता है, लेकिन जस्टिस विनय सराफ की ओबीसी आरक्षण मामले में व्यस्तता और सामान्य वर्ग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता की उपलब्धता को देखते हुए अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने 2.92 लाख बच्चों की होगी स्क्रीनिंग

जिले में दस्तक सह स्टॉप डायरिया कैंपेन का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शिशु एवं बाल मृत्यु दर को कम करने तथा एनीमिया, कुपोषण की रोकथाम तथा बाल्यकालीन बीमारियों की समय पर पहचान के लिए दस्तक सह स्टॉप डायरिया कैंपेन का जिला स्तरीय शुभारंभ आज दिनांक 14 जुलाई को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनमोहन नगर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने बच्चों को विटामिन ए का घोल पिला कर किया। जबलपुर जिले में दस्तक सह स्टॉप डायरिया कैंपेन 14 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा जिसके अंतर्गत दस्तक दल के द्वारा घर-घर जाकर जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी तथा विटामिन ए का घोल पिलाया जाएगा।

घर-घर जाकर पिलाया जाएगा विटामिन ए का घोल- इस दौरान दस्त रोग की रोकथाम के लिए घर-घर ओआरएस पैकेट एवं जिंक गोलियों का वितरण भी किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर सीएमएचओ डॉ नवीन कोठारी ने बताया की दस्तक अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुपोषण, एनीमिया एवं अन्य गंभीर बाल्य कालीन बीमारियों को चिन्हित कर, बच्चों को शीघ्र एवं सही इलाज प्रदान करना है जिससे शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। इस अभियान में दौरान जबलपुर जिले के लक्ष्य के अनुसार लगभग 2 लाख 92 हजार 395 बच्चों की स्क्रीनिंग की जायेगी। हमारा दस्तक दल पूरी मुस्तैदी से घर-घर जाकर समस्त 5 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग करेगा तथा उन्हें विटामिन ए का घोल पिलायेगा। विटामिन ए की खुराक बच्चों की आंखों की रोशनी बढ़ाने तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 175 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को नागरिकों से कुल 175 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 51 दोबारा आए आवेदन भी शामिल रहे।

स्पा सेंटर गए बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

परिजनों ने पीएम कराने से किया इंकार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तैयाबली चौक स्थित विधि स्पा में मंगलवार को एक 64 वर्षीय बुजुर्ग की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण मौत के वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मृतक की पहचान 64 वर्षीय आरबी सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक वे मंगलवार को तैयाबली क्षेत्र में स्थित विधि स्पा पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर हो गई और उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन स्पा सेंटर पहुंचे और शव को अपने साथ घर ले गए। इधर स्पा संचालक तरुण दीक्षित का कहना है कि बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ने के तुरंत बाद उनके परिजनों को सूचना देने के साथ ही ओमती थाना पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। संचालक के अनुसार परिजनों ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर बताया कि मृतक लंबे समय से बीमार थे और उनकी मृत्यु बीमारी के कारण हुई है। इसी आधार पर उन्होंने पोस्टमार्टम नहीं कराने की इच्छा जताई। वहीं ओमती थाना पुलिस का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई औपचारिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

हिट एंड रन पीड़ितों को मिला सहारा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन ने हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 के तहत अज्ञात वाहन दुर्घटना के 06 मामलों का निराकरण करते हुए कुल 10 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है। इनमें पांच मृतकों के आश्रितों को 2.2 लाख रूपये की तथा घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये की स्वीकृत सहायता राशि शामिल है। जिला प्रशासन द्वारा अज्ञात वाहन से दुर्घटना में घायल मनीष शर्मा को 50 हजार रूपये स्वीकृत किये गये हैं। वहीं मृतकों के आश्रित परिजनों को 2.2 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

अंतरराष्ट्रीय नॉन-बाइनरी दिवस पर जिनसार ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय नॉन-बाइनरी दिवस के अवसर पर जानकी रमन हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नॉन-बाइनरी व्यक्तियों के अधिकारों, समानता, सम्मान एवं समावेशिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का

संचालन समन्वयक शिक्षिकाओं सुश्री ऋ चिका कोठारी एवं प्रियंका गाइशोले के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से नॉन-बाइनरी पहचान, लैंगिक विविधता, सम्मानजनक व्यवहार तथा सभी व्यक्तियों के प्रति समानता और गरिमा के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया, जिसमें नॉन-बाइनरी व्यक्तियों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों, भेदभाव तथा उन्हें सम्मान और समान अधिकार दिए जाने की आवश्यकता को दर्शाया गया। साथ ही उपस्थित मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल के कर्मचारियों को समावेशी एवं संवेदनशील समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय नॉन-बाइनरी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। विद्यार्थियों ने सभी से प्रत्येक व्यक्ति की पहचान का सम्मान करने, समान अवसर प्रदान करने तथा सम्मान, स्वीकृति, समानता और गरिमा के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

चापड़ा सबस्टेशन की क्षमता बढ़ी, मालवा में बिजली सप्लाई होगी और मजबूत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी ट्रांसको कंपनी ने देवास जिले के 220 केवी सबस्टेशन चापड़ा में 50 एमवीए क्षमता का एक नया और अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर चालू (ऊर्जीकृत) कर दिया है। इस नए ट्रांसफार्मर के जुड़ते ही सबस्टेशन की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 153 एमवीए हो गई है। इस रणनीतिक विस्तार की जानकारी देते हुए प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि 132/33 केवी स्तर का यह सबस्टेशन में चौथा पावर ट्रांसफार्मर है। उन्होंने कहा कि क्षमता में इस बढ़ोतरी से नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के महत्वपूर्ण पंप हाउस फीडरों को निर्बाध बिजली मिलेगी।

पानी की टंकियों में मिला लार्वा तो लगेगा जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर निगम द्वारा शहर के विकास, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सीवेज, जल आपूर्ति, लोककर्म, स्वास्थ्य, उद्यान और प्रकाश विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। मानसून के मद्देनजर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति

न बने और सड़कों के गड्ढों को प्राथमिकता के साथ तुरंत भराव किया जाए, ताकि आम जनता को आवागमन में कोई असुविधा न हो। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम ने कड़ा रुख अपनाया है। निगमायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी नागरिक के घर या परिसर में रखी पानी की टंकियों में गंदगी या मच्छरों का लार्वा पनपता पाया गया, तो संबंधित गृहस्वामी पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस मुहिम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों को शहर के सभी बहुमंजिला अपार्टमेंटों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और सीवरेज नेटवर्क के व्यवस्थित संचालन पर भी विशेष जोर दिया गया। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान नागरिक सुविधाओं से जुड़ी किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

10 रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा पुरस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे में सुरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने और अपनी कर्तव्यनिष्ठा से संभावित हादसों को टालने वाले 10 सजग रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया है। पमरे मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने इन कर्मचारियों की त्वरित निर्णय क्षमता और सतर्कता की सराहना करते हुए उन्हें 'उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार' प्रदान किया। यह पुरस्कार मई और जून 2026 माह में असाधारण कार्य करने वाले कर्मचारियों को दिया गया है। सम्मानित होने वाले रेलकर्मियों में जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों के कर्मचारी शामिल हैं। मई 2026 के लिए जबलपुर मंडल से लोको पायलट अभिषेक कुमार व स्टेशन मास्टर सुधीर कुमार, भोपाल मंडल से केबिन मास्टर चन्द्रगोपाल तथा कोटा मंडल से वरिष्ठ सहायक लोको पायलट धीर सिंह व लोको पायलट चेतराम घोड़ेला को पुरस्कृत किया गया। वहीं, जून 2026 के लिए जबलपुर मंडल से स्टेशन मास्टर विक्रम कुमार व की-मैन अरविन्द कुमार तथा कोटा मंडल से स्टेशन मास्टर रामअवतार मीना, लोको पायलट सत्य प्रकाश शर्मा व ट्रैक मैन रविंद्र पाल को सम्मानित किया गया।

विद्यालय में लगा था गंदगी का अंबार

जनप्रतिनिधियों का निरीक्षण देख भड़क गए प्राचार्य

खितौला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के उपनगर खितौला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नपा उपाध्यक्ष शारदा तिवारी, पार्षद गौरा देवी विश्वकर्मा, पार्षद अंकुश नायक के साथ जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया तो

विद्यालय में व्याप्त भारी अनियमितताओं की पोल खुल गई। बताया जा रहा है कि इधर पोल खुलता देख विद्यालय के प्राचार्य और उप प्राचार्य भड़क उठे और पार्षद को ही नियमों का हवाला देने लगे और विद्यालय में निरीक्षण ना करने और कक्षाओं में प्रवेश पर भी रोकने का प्रयास किया गया। जिसपर पार्षद और प्राचार्य व उपप्राचार्य के बीच तीखी नोक झोक भी देखने मिली।

ये है पूरा मामला- जानकारी के मुताबिक वार्ड नं 12 स्थित शासकीय यशोदा बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययन कर रही एक बच्ची के माता पिता नहीं है। जिससे शासन की बाल आशीर्वाद योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति के दस्तावेजों में प्राचार्य के हस्ताक्षर कराना था। परंतु प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए जाने से बच्ची अत्याधिक परेशान थी। जिसकी शिकायत उसने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सकी की। इसके अलावा शाला में साफ सफाई ना होना जैसी मिल रही शिकायतों के आधार पर जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया गया। बताया जा रहा है कि निरीक्षण के दौरान प्राचार्य विद्यालय से गायब थे। इसी बीच उपप्राचार्य और जनप्रतिनिधियों के बीच नोक झोंक हो गई।

प्राचार्य के लिए बन रहा अलग खाना- निरीक्षण के दौरान चौकाने वाला खुलासा हुआ। जहां मध्यान भोजन बनाने वालों ने पार्षद को बताया कि शाला के प्राचार्य के लिए स्पेशल आदेश पर स्पेशल अलग से खाना बनाया जाता है, जो मध्यान भोजन में खाना नहीं खाते अलग अलग खाना स्वयं के लिए बनवाकर खाते हैं। जनप्रतिनिधियों ने शाला प्रबंधन को चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही शाला की व्यवस्थाएं सुधारी नहीं जाती तो कार्यवाही की जाएगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एमपी/जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.